mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-01 अंक-35 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

05 अगस्त 2025 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

सर्जरी के बाद सूर्यकुमार

@ पेज 7

पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक की मंजूरी के लिए तेलंगाना कांग्रेस का तीन दिनी आंदोलन आज से

हैदराबाद,एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंथ रेड्डी के नेतृत्व में 6 अगस्त को दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन में भाग लेने के लिए तमाम राज्य कांग्रेस के कार्यकर्ता सोमवार को यहां से एक विशेष ट्रेन से रवाना हुए हैं। तेलंगाना कांग्रेस का तीन दिन का विरोध प्रदर्शन राज्य विधानमंडल से पारित पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी दिलाने की मांग को लेक करेगी।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति ने एक बयान जारी कर बताया कि राज्य कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश की पिछड़ी जातियों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए चलो दिल्ली का ऐलान किया है। 6 अगस्त को दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन में शामिल होने के लिए कांग्रेस नेता आज चेरलापल्ली से एक विशेष ट्रेन से दिल्ली के लिए रवाना हुए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, मंत्री पोन्नम प्रभाकर और वक्ति श्रीहरि ने चेरलापल्ली रेलवे स्टेशन पर दिल्ली जाने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस राष्ट्रपति से पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक को मंजूरी देने की मांग कर रही है। यह विधेयक तेलंगाना राज्य विधानमंडल ने पारित कर दिया। जो राष्ट्रपति के पास मंजूरी

नशे की समस्या से निपटने के लिए सिद्धारमैया सरकार की बड़ी तैयारी

राज्य में एएनटीएफ का किया गया गठन

बंगलूरू,एजेंसी। कर्नाटक सरकार ने राज्य में नशे के बढ़ते खतरे को रोकने के लिए एक नई एंटी-नारकोटिक टास्क फोर्स (एएनटीएफ) का गठन किया है। इसका मकसद नशे से जुड़े अपराधों पर लगाम लगाना है। राज्य सरकार की तरफ से 1 अगस्त को जारी आदेश के अनुसार, यह नई टास्क फोर्स राज्य के पुलिस महानिदेशक के मार्गदर्शन में काम करेगी और इसकी रिपोर्ट एडीजीपी, साइबर कमांड को दी जाएगी।

नई टास्क फोर्स में होंगे ये बदलाव :10 नई पोस्ट बनाई गई हैं, जिनमें दो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) और दो सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) शामिल हैं। एंटी-नक्सल फोर्स (एएनएफ) से 56 कर्मचारियों को एएनटीएफ में स्थानांतरित किया गया है। इसमें दो इंस्पेक्टर और चार सब-इंस्पेक्टर भी शामिल हैं। टास्क फोर्स में फोरेंसिक, कानूनी विशेषज्ञ और डेटा विश्लेषक भी अनुबंध के आधार पर नियुक्त किए जाएंगे।

बोधगया मंदिर कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करेगा कोर्ट, केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बोधगया मंदिर अधिनियम, 1949 को रद्द करने और उसकी जगह एक केंद्रीय कानून लाने की मांग वाली याचिका पर विचार करने पर सहमति दी। इस कानून का मकसद बिहार स्थित महाबोधि मंदिर का सही नियंत्रण, प्रबंधन और प्रशासन सुनिश्चित करना है। महाबोधि मंदिर परिसर बिहार के बोधगया में स्थित है और यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों में शामिल है। यह भगवान गौतम बुद्ध के जीवन से जुड़े चार प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है। ऐसा माना जाता है कि यहीं पर भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। याचिका में 1949 के कानून की वैधता को भी चुनौती दी गई है।

पोलैंड एम्बेसी के पास कांग्रेस की महिला सांसद से झपटी चेन

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली जिले के चाणक्यपुरी स्थित पोलैंड एम्बेसी के नजदीक स्कूटी सवार बदमाश कांग्रेस की महिला सांसद सुधा रामकृष्णन की सोने की चेन झपट कर फरार हो गया। घटना उस समय हुई जब वह तमिलनाडु की एक अन्य महिला सांसद के साथ सुबह की सैर पर निकली थीं। गवाहों के अनुसार, संदिग्ध स्कूटी चालक ने सांसद के निकट आकर धीमी गति कर वारदात को अंजाम दिया।

चेन छींनने के बाद सांसद ने शोर मचाकर मदद की गुहार लगाई, लेकिन आसपास मौजूद लोग असहाय बने रहे। उसी समय इलाके में गश्त कर रही दिल्ली पुलिस की इमरजेंसी रिस्पॉन्स व्हीकल (ईआरवी) ने स्थिति को भांपा और घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली।

पुलिस ने पीड़ित सांसद से थाने में शिकायत देने को कहा, लेकिन तमिलनाडु हाउस द्वारा पीसीआर कॉल किए जाने के बाद संबंधित थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और आधिकारिक शिकायत दर्ज की गई।

कांग्रेस सांसद सुधा ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए दिशा-निर्देशों की अनदेखी के आरोप लगाए हैं। उन्होंने सीधे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राजधानी में बढ़ते अपराधों पर चिंता जाहिर की है और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।तमिलनाडु के मयिलादुथुराई से सांसद सुधा रामकृष्णन ने संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में कहा कि आज सुबह करीब छह बजे वह तमिलनाडु की एक अन्य महिला राज्यसभा सांसद के साथ टहल रही थी, तभी एक स्कूटी सवार हेलमेटधारी व्यक्ति हमारे पास आया और मेरी चेन छीन ली। घटना सुबह लगभग 6:15-6:20 बजे पोलैंड दूतावास के गेट-3 और गेट-4 के पास घटी। उन्होंने लिखा कि

जैसे ही आरोपी ने गर्दन से चेन खींची, उनकी गर्दन पर चोट लग गई। वह घटना में गिरते-गिरते बची। वहीं पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि बाद मैं चाणक्यपुरी थाने गई और लिखित शिकायत दर्ज कराई।

यमन के दक्षिणी प्रांत में 157 लोगों को लेकर जा रही नाव डूबी, 75 की मौत

सना, एजेंसी। यमन के दक्षिणी प्रांत अबयान के तट पर रविवार को खराब मौसम के दौरान लगभग 157 लोगों को ले जा रही एक नाव डूब गई। खोज एवं बचाव दल में शामिल गोताखोरों ने अब तक 75 शव निकाले हैं। बाकी लोगों की तलाश की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) के यमन प्रमुख ने पहले इस दुर्घटना में कम से कम 68 प्रवासियों की मौत की सूचना दी थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईओएम के यमन प्रमुख ने कहा था कि 68 लोगों की मौत हो गई है और 12 लोगों को बचा लिया गया है, लेकिन दर्जनों लोग लापता हैं। अधिकतर पीड़ित इथियोपियाई नागरिक बताए जा रहे हैं। सनद रहे अफ्रीकी खाड़ी देशों में काम की तलाश में आने वाले प्रवासियों के लिए यमन प्रमुख मार्ग है। आईओएम का अनुमान है कि हाल के महीनों में जहाज और नावों के डूबने से सैकड़ों लोग मारे गए या लापता हो गए।

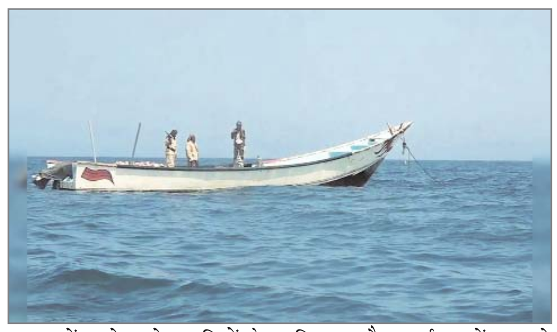

इस बीच, यमन के सुरक्षा अधिकारियों ने सोमवार को कुछ वैश्विक संचार माध्यमों को बताया कि इस नौका दुर्घटना में कम से कम 76 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग लापता हैं। अदन की खाड़ी में जहाज के मलबे से 76 शव बरामद किए गए हैं और 32 लोगों को बचा लिया गया है। संयुक्त राष्ट्र की प्रवासन एजेंसी ने बताया कि नाव पर 157 लोग सवार थे।

इस बीच अमन के सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि बड़ा खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया है। तट के एक बड़े हिस्से से कई शव मिले हैं। आईओएम यमन प्रमुख अब्दुसत्तोर एसोव ने कहा कि नाव विशाल तटीय क्षेत्र में एक खतरनाक रास्ते पर थी। इस रास्ते का इस्तेमाल अकसर मानव तस्कर करते हैं। एसोव ने तस्करों के शोषण से बचने के लिए प्रवासियों के लिए कानूनी सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के महत्व पर भी जोर दिया है। आईओएम का कहना है कि मार्च में 180 से ज्यादा प्रवासियों को ले जा रही दो नावें यमन के धुबाब जिले के तट पर डूब गई थीं। इन लोगों में से केवल चालक दल के दो सदस्यों को ही बचाया जा सका था।

सच्चे भारतीय होते तो ऐसा नहीं कहते; आपको पता कैसे चला? चीनी कब्जे वाले बयान पर राहुल से सुप्रीम सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना पर टिप्पणी करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसी बातें नहीं कहेंगे। कोर्ट ने राहुल गांधी से पूछा कि उन्हें कैसे पता चला कि 2000 वर्ग किलोमीटर भूमि पर चीन ने कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय सामग्री है?

विपक्ष के नेता हैं, संसद में अपनी बात कहें :सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को ऐसे बयान देने से बचने की नसीहत देते हुए कहा, आप विपक्ष के नेता हैं, संसद में अपनी बात कहें, सोशल मीडिया पर नहीं। बता दें कि सेना पर टिप्पणी करने के इस मामले में समन के खिलाफ राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

राहुल गांधी की ओर अभिषेक सिंघवी ने रखा तर्क :इस दौरान राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि अगर विपक्ष के नेता मुद्दे नहीं उठा सकते, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी। अभिषेक सिंघवी ने कहा, अगर वह प्रेस में छपी ये बातें नहीं कह सकते, तो वह विपक्ष के नेता नहीं हो सकते। पीठ की सच्चे भारतीय टिप्पणी पर अभिषेक सिंघवी ने जवाब दिया, यह भी संभव है कि एक सच्चा भारतीय कहे कि हमारे 20 भारतीय सैनिकों को पीटा गया और मार डाला गया। यह भी चिंता का विषय है।

राहुल गांधी को अदालत ने दी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ एक जिले की अदालत में चल रही कार्यवाही पर रोक भी लगा दी। बता दें कि इस मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 29 मई को राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी थी। फिर राहुल गांधी ने समन आदेश और शिकायत को यह कहते हुए चुनौती दी थी कि यह दुर्भावना से प्रेरित और दर्ज की गई थी।

शिकायतकर्ता ने या लगाया था आरोप?

बता दें कि शिकायतकर्ता उदय शंकर श्रीवास्तव ने एक अदालत में दायर अपनी याचिका में आरोप लगाया कि दिसंबर 2022 की यात्रा के दौरान, गांधी ने चीन के साथ सीमा गतिरोध के संदर्भ में भारतीय सेना के बारे में कई अपमानजनक टिप्पणियां कीं। इसके बाद निचली अदालत ने मुकदमे का सामना करने के लिए राहुल गांधी को आरोपी के रूप में समन किया। राहुल गांधी के अधिवक्ता प्रांशु अग्रवाल ने तर्क दिया था कि शिकायत को पढ़ने से ही आरोप मनगढ़ंत प्रतीत होते हैं। यह भी तर्क दिया गया कि राहुल गांधी लखनऊ के निवासी नहीं हैं, इसलिए उन्हें इस शिकायत पर तलब करने से पहले अधीनस्थ न्यायालय को आरोपों की सत्यता की जांच करनी चाहिए थी और उन्हें तभी तलब किया जाना चाहिए था जब आरोप प्रथम दृष्टया सुनवाई के लिए उपयुक्त पाए जाते।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का निधन

- गंगा राम अस्पताल में ली अंतिम सांस
- आज दोपहर तीन बजे पैतृक गांव में अंतिम संस्कार

नई दिल्ली,एजेंसी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का सोमवार सुबह सर गंगा राम अस्पताल में निधन हो गया। वे 81 वर्ष के थे। शिबू सोरेन किडनी से जुड़ी बीमारी के चलते पिछले एक महीने से अस्पताल में भर्ती थे। सर गंगा राम अस्पताल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि शिबू सोरेन को आज सुबह 8ः56 बजे मृत घोषित कर दिया गया। लंबी बीमारी के बाद उनका निधन हो गया। वे किडनी की बीमारी से पीड़ित थे और डेढ़ महीने पहले उन्हें स्ट्रोक भी हुआ था। पिछले एक महीने से वे लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर थे। शिबू सोरेन के पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद दिल्ली में मौजूद हैं। हेमंत सोरेन ने अपने पिता के निधन की जानकारी साझा करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सभी को छोड़कर चले गए हैं।

यूपी के 17 जिलों में बाढ़,बिहार में बिजली गिरने से 6 मौतें

वाराणसी में बाढ़ से बिगड़े हालात, शहरी इलाकों में घरों तक पहुंचा पानी

- कई मोहल्लों की सड़कों पर नाव चलने की नौबत
- बीएचयू ट्रामा सेंटर के पास तक पहुंचा बाढ़ का पानी

वाराणसी,एजेंसी। पहाड़ों और मैदानी इलाकों में भारी बारिश से उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी विकराल रूप धारण किये है। गंगा की रौद्र लहरें खतरे के निशान 71.26 मीटर को दो दिन पहले ही पार कर बाढ़ के उच्चतम बिंदु 73.901 मीटर तक पहुंच चुकी है। गंगा का पानी शहरी इलाकों तक पहुंच कर घरों में घुसने लगा है जिससे लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। मणिकर्णिका घाट पर शवों को अंतिम संस्कार के लिए प्लेटफॉर्म तक नाव से ले जाना पड़ रहा है। बाढ़ में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन सतर्क है। प्रभावित इलाकों में राहत व बचाव कार्य चलाया जा रहा है।

केन्द्रीय जल आयोग से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को वाराणसी में गंगा का जलस्तर 72 मीटर पार कर गया। सुबह आठ बजे गंगा का जलस्तर 72.03 मीटर दर्ज किया गया। जलस्तर में लगातार औसतन एक सेंटीमीटर प्रति घंटे की वृद्धि हो रही है। बीते 24 घंटों में गंगा 57 सेंटीमीटर चढ़ी है। गंगा का पानी घाटों को पार करने के बाद अब शहरी इलाकों में घुसने लगा है। दशाश्वमेध, शीतला घाट से होते हुए पानी चितरंजन पार्क, सामने घाट से बीएचयू ट्रॉमा सेंटर, गंगोत्री विहार, नगवा और सामनेघाट की कालोनियों तक पहुंच गया है। इन क्षेत्रों में घुटनों से ऊपर जलभराव हो चुका है। मणिकर्णिका घाट की गलियों में नावें चल रही हैं और शवों को अंतिम संस्कार के लिए प्लेटफॉर्म तक नाव से ले जाया जा रहा है।

यूपी में बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। राज्य के 17 जिलों में बाढ़ आ गई है। लखनऊ, अयोध्या और अंबेडकरनगर में 12वीं तक के सभी स्कूल बंद हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान, राज्य में बारिश से 12 लोगों की मौत हो गई है। वाराणसी और प्रयागराज में गंगा का पानी एक लाख से अधिक घरों में घुस गया है। गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर चुका है। वाराणसी में सभी 84 घाट डूब चुके हैं। प्रयागराज में सड़कों पर नावें चल रही हैं। हजारों लोगों ने घर छोड़ दिया है। मध्य प्रदेश में कई इलाकों में भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। राज्य में 16 जून को मानसून की एंट्री के बाद से जुलाई तक, बाढ़ के दौरान हुए हादसों में अब तक 275 लोगों की जान जा चुकी है। सरकार ने विधानसभा में यह आंकड़े बताए हैं। बिहार में पिछले 24 घंटे में बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई। राज्य में सोमवार को पटना समेत सभी 38 जिलों में बारिश का अलर्ट है।

2013 केदारनाथ हादसा- कंकालों की खोज दोबारा शुरू

आपदा के बाद से हजार से ज्यादा लोग अब भी लापता; 702 की आज तक पहचान नहीं

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। केदारनाथ में 2013 में आई आपदा में लापता हुए लोगों के कंकालों की खोज इस साल फिर से शुरू हो सकती है। उस आपदा में लापता हुए 3075 लोगों का आज तक पता नहीं चल सका है। इसके लिए उत्तराखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। याचिका में सरकार से लापता हुए लोगों के कंकालों की खोज करके उनका सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार किए जाने की अपील की गई थी। सरकार अब तक चार बार टीमें भेज चुकी है।

7 साल बाद मिले थे 703 नरकंकाल : 2020 में खोजी दल ने चट्टी और गोमुखी क्षेत्र में 703 नरकंकाल बरामद किए गए थे। 2014 में 21 और 2016 में 9 कंकाल बरामद हुए थे। नवंबर 2024 को 10 टीमें विभिन्न पैदल मार्गों पर खोज में निकली थीं, लेकिन उन्हें भी सफलता नहीं मिल पाई थी। प्राप्त कंकालों के DNA परीक्षण के जरिए इनके परिजनों का पता लगाया जाता है। ऐसे में इस साल दोबारा सर्च टीम भेजने की तैयारी की जा रही है। आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन के अनुसार इस साल भी सर्च टीम भेजने की तैयारी है। हम रिपोर्ट को हाईकोर्ट में प्रस्तुत करने जा रहे हैं। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने 2016 और फिर 2019 में राज्य को निर्देश दिए थे कि वह 3075 लापता लोगों के अवशेषों की तलाश करे और उनका अंतिम संस्कार करे। आदेश के बाद सरकार की ओर से केदारनाथ के आसपास के पैदल मार्गों में सर्च टीमें भेजी गई थी।

702 मृतकों को अपनों की तलाश केदारनाथ आपदा में मारे गए 702 लोगों की आज तक पहचान नहीं हो पाई है। इन मृतकों के डीएनए नमूनों की रिपोर्ट पुलिस के पास है। पर आज तक इन मृतकों की पहचान नहीं हो पाई। क्योंकि जिन 6 हजार लोगों ने अपने डीएनए दिए थे उनमें से किसी से भी इनका मिलान नहीं हो पाया है। इसलिए अब तक 702 लोगों को अपनी पहचान का इंतजार है।

शेख अली गुमटी में पार्क का इस्तेमाल बैडमिंटन या बास्केटबॉल कोर्ट के रूप में न हो, शीर्ष कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली,एजेंसी। लोधी-कालीन स्मारक शेख अली की गुमटी परिसर के अंदर स्थित पार्क का इस्तेमाल बैडमिंटन या बास्केटबॉल कोर्ट के निर्माण के लिए नहीं किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को यह आदेश दिया। इससे पहले शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार को लोधी-कालीन स्मारक शेख अली की गुमटी को कानून के तहत संरक्षित स्मारक घोषित करने के लिए एक नई अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया था।

जस्टिस सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने अधिकारियों को इस क्षेत्र में कियोस्क या दुकानों सहित किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के खिलाफ भी निर्देश दिया। शीर्ष अदालत को यह भी आश्वासन दिया गया कि चार खंडों वाले इस पार्क का रखरखाव और सौंदर्यीकरण किया जाएगा, ताकि इसकी प्राकृतिक सुंदरता बनी रहे। इसका उपयोग आम जनता के लाभ के लिए किया जा सके।

पीठ के 31 जुलाई के आदेश में कहा गया, यहां केवल यही निर्देश दिया जाना चाहिए कि इसका उपयोग किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इसके साथ ही क्षेत्र की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए बैडमिंटन कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट आदि का निर्माण जैसी कोई भी गतिविधि नहीं की जानी चाहिए।

मामले की सुनवाई 28 अगस्त के लिए निर्धारित :शीर्ष अदालत ने कोर्ट कमिश्नर को पार्क के रखरखाव और सौंदर्यीकरण के लिए बागवानी विभाग सहित संबंधित विभागों के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया। मामले की सुनवाई 28 अगस्त के लिए निर्धारित की गई है।

या है मामला?

स्मारक को लेकर विवाद तब सामने आया, जब शीर्ष अदालत ने डिफेंस कॉलोनी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को अपने ढांचे खाली करने और 1960 के दशक से इस ऐतिहासिक स्थल पर कब्जे के लिए मुआवजे के रूप में दिल्ली सरकार के पुरातत्व विभाग को 40 लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत डिफेंस कॉलोनी निवासी राजीव सूरी की ओर से दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958 (एएमएएसआर अधिनियम) के तहत गुमटी को संरक्षित स्मारक घोषित करने की मांग की थी।

हाईकोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से 2019 में उनकी याचिका खारिज करने के बाद शीर्ष अदालत में यह याचिका दायर की गई थी। शीर्ष अदालत नियमित रूप से अतिक्रमण हटाने, अवैध कब्जे हटाने और स्मारक या उसके आसपास के क्षेत्र के सौंदर्यीकरण को सुनिश्चित करने के लिए निर्देश देती रही है।

एएमएएसआर अधिनियम के तहत संरक्षण :एएमएएसआर अधिनियम के तहत संरक्षित स्मारकों को कानूनी संरक्षण, संरक्षण प्रयासों और उनके आसपास की गतिविधियों पर प्रतिबंधों का लाभ मिलता है, ताकि भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनका संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। ऐसे स्मारकों को क्षति, विनाश और उनके आसपास अनधिकृत निर्माण या उत्खनन से सुरक्षित रखा जाता है।

विधानसभा में पेश होगा स्कूल फीस नियंत्रण बिल, राजनीतिक घमासान के पूरे आसार

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार को दोपहर 2 बजे से शुरू होगा। पहले ही दिन स्कूल फीस नियंत्रण बिल सहित अन्य मुद्दों पर राजनीतिक घमासान के पूरे आसार हैं। 8वीं विधानसभा का तीसरा सत्र 4 से 8 अगस्त तक चलेगा लेकिन जरूरत पड़ी तो इसे बढ़ाया भी जा सकता है। सत्र की शुरुआत में ही शिक्षा मंत्री आशीष सूद स्कूल फीस नियंत्रण बिल पेश करेंगे, जिसे मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की कैबिनेट पहले ही मंजूरी दे चुकी है। इस बिल से दिल्ली के लाखों अभिभावकों को स्कूलों की मनमानी फीस से राहत मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को साफ किया है कि ये बिल अभिभावकों के हित में है और स्कूलों की मनमानी पर लगाम लगाएगा लेकिन आम आदमी पार्टी ने बिल का कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। आप नेता आतिशी समेत वरिष्ठ नेताओं का आरोप है कि सरकार इस बिल के जरिये निजी स्कूलों को फायदा पहुंचाने की कोशिश कर रही है। आप ने सवाल उठाया कि अगर बिल वाकई जनहित में है तो सरकार ने इसे अब तक सार्वजनिक क्यों नहीं किया। विपक्ष के तीखे तेवरों से साफ है कि बिल पर सदन में जोरदार टकराव होगा। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि सत्र में सभी मुद्दों पर खुली चर्चा होगी। सत्र में कई अन्य अहम विषय भी उठेंगे। विधायक अशोक गोयल रूरल कमेटी की पहली रिपोर्ट पेश करेंगे। साथ ही, विधानसभा अब पूरी तरह डिजिटल हो चुकी है। अध्यक्ष ने बताया कि विधायकों की हाजिरी अब रजिस्टर में नहीं बल्कि नेशनल ई-विधान ऐप (नेवा) पर लॉग-इन के जरिए दर्ज होगी।

पहले दिन के माहौल से तय होगी सत्र की दिशा : सत्र में दिल्ली के विकास और जनहित के कई मुद्दों पर चर्चा होगी लेकिन स्कूल फीस बिल पर सरकार और विपक्ष की सहमति, असहमति सत्र की दिशा तय कर सकती है। दिल्ली की जनता की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या यह बिल वाकई अभिभावकों को राहत देगा या सिर्फ राजनीतिक शोर बनकर रह जाएगा।

सनातन परंपरा कभी लुप्त नहीं होगी, माय ज्योतिष महाकुंभ में बोले मंत्री कपिल मिश्रा

नई दिल्ली,एजेंसी। अमर उजाला माय ज्योतिष महाकुंभ में दिल्ली सरकार के संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा भी पहुंचे। मंत्री कपिल मिश्रा ने अमर उजाला माय ज्योतिष महाकुंभ में आए ज्योतिषाचार्यों का सम्मान किया। मयूर विहार स्थित होटल क्राउन प्लाजा में हो रहे इस आयोजन में देश के प्रतिष्ठित ज्योतिषाचार्य हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि इस कार्यक्रम में हमें बुलाने के लिए आप सभी का आभार। आप भारत की सनातन परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। ये कभी लुप्त नहीं होगी। क्योंकि समाज में आप जैसे लोग हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछली सरकार में जब मैं मंत्री था और उस वक्त एक ज्योतिष से मेरी मुलाकात हुई। उन्होंने मुझसे कहा कि अभी छह महीने में आपका निवास परिवर्तन होने वाला है और आप किसी और पार्टी से चुनाव लड़ेंगे और वहां से मंत्री बनेंगे। तब मुझे तो ये कोई संयोग दिखाई नहीं दे रहा था। क्योंकि सरकार को दो साल हुए थे और अभी आगे के तीन साल का समय था। लेकिन उनकी भविष्यवाणी सही हुई।

लूट की कहानी सादिक की जुबानी- ज्वेलर शॉप में घुसे पांच नकाबपोश बदमाश

पूर्वी दिल्ली,एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर स्थित चांद बाग इलाके में रविवार शाम हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों ने ज्वेलर की दुकान में डकैती डाली। बदमाशों ने अंदर घुसते ही दुकान का शटर गिराकर ज्वेलर और एक ग्राहक को बंधक बना लिया। लूटपाट करने के बाद बदमाश फरार हो गए। डकैती की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। वरिष्ठ अधिकारी भी आ गए। क्राइम व एफएसएल को मौके पर बुला लिया गया। पुलिस ने ज्वेलर सादिक (27) के बयान पर डकैती का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। सीसीटीवी कैमरों की मदद से छानबीन की जा रही है। पीड़ित ने बताया है कि दुकान में रखा करीब 30 लाख का सोना और छह लाख रुपये बदमाशों ने लूटे हैं। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि गली नंबर-4, चांद बाग इलाके में सादिक का ज्वेलरी का शोरूम है। शाम करीब चार बजे वह दुकान पर मौजूद थे। उनकी दुकान पर एक महिला ग्राहक भी मौजूद थी। इसी बीच पांच नकाबपोश बदमाश वहां दाखिल हो गए। फिलहाल चार टीमों का गठन कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी गई है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि वारदात में किसी करीबी का हाथ हो सकता है। बदमाश लोनी की ओर भागे हैं।

दिल्ली में आज भी बरसेंगे बदरा : मौसम पल-पल बदल रहा रूप, कभी छांव तो कभी धूप, दिन में उमस ने बढ़ाई मुसीबत

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में मौसम पल-पल करवट ले रहा है। कभी धूप निकल रही है, तो कभी काले बादलों का डेरा झमाझम बारिश कराने लगता है। रविवार को बादल छाए रहे, जिससे तापमान कम रहा लेकिन उमस से लोग परेशान रहे। मौसम विभाग ने सोमवार को बारिश होने की संभावना जताई है। आसमान में बादल छाए रहेंगे। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 और 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा।

अधिकतम तापमान सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 34.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.9 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते 24 घंटे में हवा में नमी का स्तर 100 से 68 फीसदी रहा। मौसम विभाग ने 5 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग हिस्सों में बादल छाए रहने और गरज चमक के साथ बारिश का अनुमान जताया है। इसके बाद 6 से लेकर 9 अगस्त के दौरान छिटपुट बादल छाए रहने और गरज चमक के साथ रुक-रुक फुहारें पड़ने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि इस पूरे हफ्ते फुहारें पड़ती रहने के कारण दिल्ली में अधिकतम तापमान 31 से 35 डिग्री सेल्सियस बने रहने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि मौजूदा समय में कई वेदर सिस्टम एक्टिव हैं। एक मानसूनी ट्रफ अमृतसर, चंडीगढ़, शामली, लखनऊ, छपरा, बांकुरा से दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक गुजर रही है। वहीं एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन उत्तर-पूर्व बिहार, उत्तर-पश्चिम बिहार और उससे लगे उत्तर-पूर्व उत्तर प्रदेश पर स्थित है। पंजाब और आसपास के क्षेत्रों में भी साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना है। इसके साथ ही पश्चिमी विक्षोभ भी देखा जा रहा है।

प्रभात ने किया पापः यौन इच्छा पूरी न होने पर लड़की के अश्लील फोटो भाई को भेजे, पीड़िता का रिश्तेदार है आरोपी

नई दिल्ली,एजेंसी। उत्तर पश्चिम जिला साइबर सेल ने यौन इच्छा पूरी नहीं करने पर एक युवती के अश्लील फोटो को वायरल करने और उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बुलंदशहर यूपी निवासी प्रभात चौधरी उर्फ पीयूष (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक फोन बरामद किया है।

भाई ने की है शिकायत : जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि 27 जुलाई को उत्तर पश्चिम जिला साइबर सेल में एक युवक ने इंस्टाग्राम के जरिए बहन को परेशान करने की शिकायत दी। जिसमें उसने बताया कि किसी व्यक्ति ने उन्हें इंस्टाग्राम के जरिए उनकी बहन की अश्लील फोटो और वीडियो भेजी है। आरोपी उनकी बहन को उसके निजी फोटो और वीडियो के जरिए ब्लैकमेल कर रहा था और धमकी दे रहा था कि यदि उसकी यौन इच्छा पूरी नहीं की तो वह उसकी अश्लील फोटो और वीडियो को वायरल कर देगा।

यूपी का रहने वाला है आरोपी: शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। निरीक्षक दिनेश दहिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू की। तकनीकी जांच में पता चला कि आरोपी बुलंदशहर यूपी का रहने वाला है। पुलिस ने लोकेशन के जरिए आरोपी के घर पर दबिश दी, लेकिन वह वहां नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तकनीकी जांच शुरू की। तकनीकी निगरानी करने के बाद पुलिस ने आरोपी प्रभात चौधरी उर्फ पीयूष को बुलंदशहर उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी ने बना रखे हैं कई इंस्टाग्राम आईडी : जांच में पता चला कि वह शिकायतकर्ता का करीबी रिश्तेदार है। शिकायतकर्ता की बहन की अश्लील सामग्री भेज रहा था क्योंकि उसकी मांगें पूरी नहीं हुई थी। अपनी पहचान और गतिविधियों को छिपाने के लिए वह कई इंस्टाग्राम अकाउंट्स का इस्तेमाल कर रहा था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वह मोबाइल फोन बंद रखता था और व्यू वन्स मोड में कंटेंट भेजता था।

मासूम की हत्या में फरार चल रहा बदमाश 26 साल बाद गिरफ्तार

दिल्ली, एजेंसी। फिरौती के लिए मासूम की अगवा कर हत्या करने के मामले में करीब 26 साल से फरार चल रहे बदमाश को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने दबोचा है। आरोपी की पहचान कानपुर देहात, यूपी निवासी राज किशोर उर्फ बड़े लल्ला (55) के रूप में हुई है। उम्रकैद की सजा काट रहा राज किशोर वर्ष 1999 में पैरोल लेकर फरार हो गया था। इसके बाद वह कभी गिरफ्तार नहीं हुआ। 2014 में दिल्ली की अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। इस बीच आरोपी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाकर जमानत का भी प्रयास किया था। वहां से मना होने पर अलग-अलग राज्यों में घूमता रहा। राज किशोर पेशे से दर्जी है, जहां भी जाता था, अपनी दर्जी के पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव ने बताया कि राज किशोर ने अपने साथी 1993 को अपने मालिक मोहम्मद आशिक के आठ साल के बेटे को अगवा कर लिया था। उस समय राज किशोर आशिक की सिलाई की फैक्टरी में काम करता था। आरोपी ने आशिक से बेटे को सकुशल छोड़ने के बदले 30 हजार रुपये की डिमांड की। रुपये लेने के बाद भी आरोपी ने मासूम की गला घोंटकर हत्या कर दी। बाद में शव को त्रिलोकपुरी के गटर में डाल दिया। पुलिस ने शव बरामद कर हत्या का मामला दर्ज किया। बाद में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। वर्ष 1996 में राज किशोर को उम्रकैद की सजा हो गई। 1999 में आरोपी ने हाईकोर्ट से छह सप्ताह की पैरोल ली और गायब हो गया। पुलिस उसकी तलाश करती रही। वर्ष 2009 में आरोपी ने फरारी के समय हाईकोर्ट से जमानत की गुहार लगाई, लेकिन अदालत ने उसे मंजूरी नहीं दी। इसके बाद वर्ष 2014 में अदालत ने उसे भगोड़ा करार कर दिया।

ऐसे पकड़ा गया आरोपी: छानबीन के दौरान टीम को पता चला कि आरोपी अपने घर कानपुर देहात के आसपास छिपा हुआ है। टीम दो माह तक वहां डेरा डाले रही, लेकिन आरोपी छापेमारी के समय फरार हो जा रहा था। काफी प्रयासों के बाद इंस्पेक्टर रॉबिन त्यागी की टीम ने आरोपी को खोड़ा कालोनी, गाजियाबाद से दबोच लिया।

लेडी डॉन जिकरा और अन्य सात के खिलाफ चार्जशीट दाखिल, सीलमपुर में हुई थी कुणाल की हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली पुलिस ने अप्रैल 2025 में सीलमपुर इलाके में हुए हत्या के मामले में आरोपी लेडी डॉन जिकरा और अन्य सात आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। चार्जशीट कई धाराओं में दर्ज की गई है। जिसमें हत्या और हत्या की साजिश की धारा शामिल है। इस साल के अप्रैल महीने में कुणाल की हत्या सीलमपुर इलाके में हुई थी। बीती 22 अप्रैल को कड़कड़डूमा कोर्ट ने सीलमपुर में कुणाल की हत्या से जुड़े मामले में गिरफ्तार आरोपी साहिल को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया, जबकि लेडी डॉन जिकरा खान को पुलिस पूछताछ के बाद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। दिल्ली पुलिस ने साहिल की पांच दिन की हिरासत मांगी थी।

आरोपियों को फांसी की सजा मिले- मृतक कुणाल की मां : वहीं पीड़िता की मां ने कहा था कि मैं चाहती हूं कि आरोपियों को फांसी की सजा मिले। अगर उन्हें उम्रकैद मिलती है तो वे जमानत पर बाहर आ जाएंगे। मैं आरोपी शोएब को जानती हूं, जो मेरे घर के पास रहता है। शोएब जिकरा का मामा है। उनका पूरा परिवार गलत कामों में शामिल है। मुझे उम्मीद है कि हमें न्याय मिलेगा। मेरा बच्चा किसी गलत काम में शामिल नहीं था। मेरा बच्चा निर्दोष था, उसने कुछ नहीं किया। वह गांधीनगर में काम करता था और निर्दोष था।

जानें क्या था मामला : सीलमपुर में बृहस्पतिवार रात को कुणाल की हत्या चाकू से गोदकर कर दी गई थी। साहिल की कुणाल से रंजिश थी, जिसका बदला लेने के लिए उसने अपनी चचेरी बहन लेडी डॉन जिकरा और दो नाबालिगों के साथ हत्या की साजिश रची और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने इस मामले में नौ आरोपियों को पकड़ा है। इसमें पांच आरोपियों को मुख्य आरोपी को भगाने और पनाह देने के आरोप में पकड़ा गया है। वहीं, लेडी डॉन जिकरा को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

बलूचिस्तान के क्वेटा से युवक को घर से जबरन उठा ले गए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूचिस्तान प्रांत में संघीय सरकार कानून प्रवर्तन एजेंसियों के माध्यम से लोगों को जबरन घरों से उठवा रही है। हाल के दिनों में पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने विभिन्न जिलों से कम से कम आठ लोगों को कथित तौर पर हिरासत में लिया है। ताजा घटना में दीन मोहम्मद शाहवानी के युवा बेटे मोहसिन शाहवानी को कथित तौर पर क्वेटा के किल्ली कंबरानी स्थित उसके घर से हिरासत में लिया गया है।

द बलूचिस्तान पोस्ट ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से मोहसिन शाहवानी को घर से जबरिया उठाकर ले जाने की खबर प्रसारित की है। शाहवानी को देररात छापा मारकर हिरासत में लिया गया। इसके बाद उसे अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। यह घटना इमाम बंगुलजई के बेटे शेरबाज बंगुलजई समेत चार अन्य लोगों को कथित तौर पर इसी इलाके से ऐसी ही परिस्थितियों में हिरासत में लिए जाने के कुछ समय बाद हुई है।

इसके अलावा वाशुक जिले के नाग इलाके में पाकिस्तान के कानून प्रवर्तन बलों ने 31 जुलाई की रात लगभग दो बजे मीर हाजी हासिल खान सासोली के घर पर कथित तौर पर छापा मारा। इस दौरान उनके बेटे अब्दुल करीम को कथित तौर पर हिरासत में लिया गया। तब से अब्दुल का कोई पता नहीं है। परिवार के सदस्यों का आरोप है कि छापे के दौरान उन पर हमला किया गया और घर की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। इससे पहले केच जिले के होथाबाद निवासी जाफर पुत्र एजाज को 30 जुलाई को खैराबाद इलाके से कथित तौर पर हिरासत में लिया गया था। उसका भी कोई पता नहीं है। यह घटनाएं वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स (वीबीएमपी) के लगातार विरोध प्रदर्शनों के साथ सामने आई हैं। वीबीएमपी का क्वेटा प्रेस क्लब के बाहर प्रदर्शन 5,899वें दिन में प्रवेश कर गया है। वीबीएमपी के अध्यक्ष नसरुल्लाह बलूच ने हाल ही में विश्वविद्यालय की छात्रा महजबीन बलूच के लापता होने का मामला उठाया है। महजबीन को कथित तौर पर राज्य के अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया था। वीबीएमपी के अनुसार महजबीन 65 दिन से लापता है।

जापान परमाणु हमले के 80 साल बाद भी अपनों की तलाश, निनोशिमा में अवशेष तलाश रहे लोग

निनोशिमा (जापान), एजेंसी। जापान पर परमाणु हमले के 80 साल बीत चुके हैं। दर्दनाक परमाणु हमले के आठ दशकों के बाद भी यहां रहने वाले लोग अपनों की तलाश कर रहे हैं। एक खबर के मुताबिक हिरोशिमा के करीब बसे निनोशिमा द्वीप पर लोग अपनों के अवशेष की तलाश कर रहे हैं। बता दें कि 6 अगस्त, 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा पर दुनिया में पहली बार परमाणु बम गिराए थे। इस हमले के 80 वर्ष बीत जाने के बाद भी लोगों की उम्मीदें जिंदा हैं। यहां रहने वाले लोग अपने परिजनों के अवशेषों की तलाश कर रहे हैं।

अपनों के अवशेषों की तलाश कर रहे पीड़ित लोग : जापान के निनोशिमा द्वीप पर रहने वाले लोग हजारों की संख्या में मारे गए थे। अब पीड़ित परिवार अपनों के अवशेषों की तलाश कर रहे हैं। हिरोशिमा से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित निनोशिमा द्वीप 1945 में हुए परमाणु हमले में घायल हुए लोगों की मदद के लिए एक अस्थायी केंद्र की तरह बन गया था। अमेरिका के हमले में जख्मी हुए और जान गंवाने वाले लोगों के शवों को भी निनोशिमा में ही रखा जा रहा था। इस राहत और बचाव कार्य का जिम्मा जापान की नौसेना की टुकड़ी संभाल रही थी।

हताहतों की शिनाख्त मुश्किल, बुरी तरह झुलसे शरीरः खबरों के मुताबिक परमाणु हमला इतना घातक था कि हताहतों की शिनाख्त बहुत मुश्किल थी। जापान की सेना में आत्मघाती मिशनों के लिए प्रशिक्षित किए गए नाविकों ने पीड़ितों के शवों को निनोशिमा लाने में मदद की। पीड़ितों की स्थिति विचलित करने वाली और बेहद भयावह थी। लोगों के शरीर पर जो कपड़े थे वे जल चुके थे, शरीर झुलसने के कारण मांस लटक रहे थे।

बड़ी संख्या में लोगों की जान बचाने में असफलता, निनोशिमा में दफनाए गए शवः आज से 80 साल पहले चिकित्सा सुविधाओं का अभाव था। इस कारण हमले के करीब तीन हफ्ते बाद यानी 25 अगस्त तक चंद लोगों की ही जान बचाई जा सकी। मृतकों को जल्दबाजी में निनोशिमा में ही अलग-अलग जगहों पर दफना दिया गया। 2018 से अब तक लगभग 100 हड्डियों के टुकड़े जानकारी सामने आई है।

बलूचिस्तान में नाबालिग छात्र के खिलाफ आतंकवाद का मामला, सीटीडी की तीखी आलोचना, अदालत ने जमानत दी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहे प्रांत बलूचिस्तान में सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करने पर एक नाबालिग छात्र को आतंकवाद के केस का सामना करना पड़ रहा है। यह मामला प्रांत के केच जिले के तुर्बत इलाके का है। फिलहाल तुर्बत की आतंकवाद-रोधी अदालत ने शनिवार को इस नाबालिग छात्र को जमानत दे दी। द बलूचिस्तान पोस्ट ने आज इस घटनाचक्र पर खबर प्रसारित की है। इस खबर के अनुसार, आतंकवाद-रोधी विभाग (सीटीडी) मकरान ने एक मानवाधिकार कार्यकर्ता का भाषण सोशल मीडिया पर कथित तौर पर शेयर करने के आरोप में इस नाबालिग छात्र के खिलाफ आतंकवाद का मामला दर्ज किया था। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, सीटीडी ने तुर्बत के अबसार इलाके के निवासी सोहैब खालिद के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उसने कथित तौर पर नागरिक समाज के सदस्य गुलजार दोस्त के एक भाषण का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिक टॉक पर शेयर किया था। उल्लेखनीय है कि गुलजार दोस्त पाकिस्तान के आतंकवाद-रोधी अधिनियम की चौथी अनुसूची के तहत सूचीबद्ध है। नाबालिग छात्र सोहैब खालिद के वकील जदैन दश्ती ने कहा कि इस हफ्ते की शुरुआत में सीटीडी के प्राथमिकी दर्ज करने के बाद लड़के के पिता को अपने बेटे को अदालत में पेश करने के लिए मजबूर होना पड़ा। दश्ती ने तर्क दिया कि आरोप निराधार और असंगत थे। उन्होंने कहा कि सोहैब को शेयर किए गए वीडियो के कानूनी निहितार्थों की कोई जानकारी नहीं थी। इस घटना की मानवाधिकार संगठनों ने कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि किसी नाबालिग पर आतंकवाद के आरोप में मुकदमा चलाना बाल अधिकारों और उचित प्रक्रिया का घोर उल्लंघन है। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने कहा कि वह उन रिपोर्टों से स्तब्ध है जिनमें एक नाबालिग को सोशल मीडिया पर एक मानवाधिकार कार्यकर्ता का भाषण कथित तौर पर साझा करने के आरोप में तुर्बत की एक आतंकवाद-रोधी अदालत में आतंकवाद के आरोप में पेश किया गया। एचआरसीपी ने कहा कि इस तरह से आतंकवाद-रोधी कानूनों का दुरुपयोग बाल अधिकारों और उचित प्रक्रिया का घोर उल्लंघन दर्शाता है। आयोग ने आरोपों को तुरंत वापस लेने, प्राथमिकी की गहन समीक्षा करने और इस खतरनाक जवाबदेही तय करने की मांग की है। अमेरिका ने रूस और ईरान से तेल खरीदने पर चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। जिस पर चीन के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को सोशल लिखा सुनिश्चित करेगा।

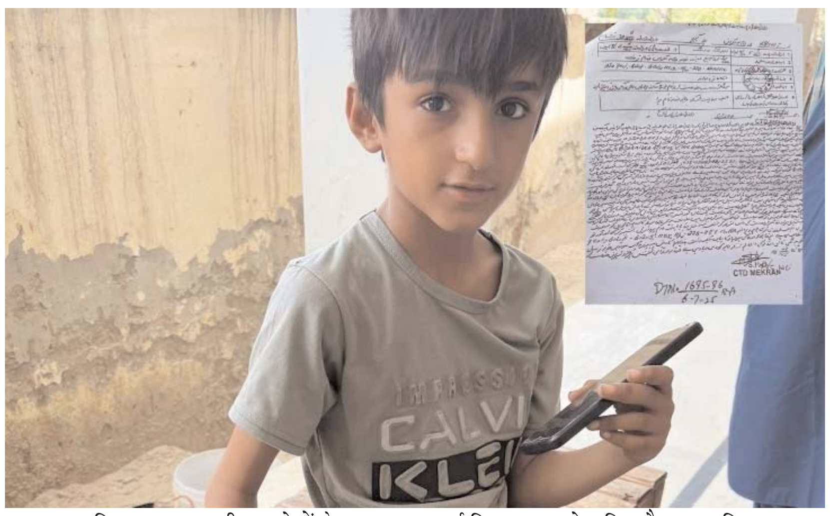

लगातार बढ़ रहा सोन नदी का जलस्तर, बाणसागर डैम के 3 गेट खोले गए; गांवों में अलर्ट जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की जीवनदायिनी सोन नदी उफान पर है। सोमवार को बाणसागर डैम के 3 गेट खोले जाने के बाद अचानक आए जलप्रवाह ने सीधी जिले के तटीय गांवों के लिए संकट खड़ा कर दिया है। विशेषकर सिहावल तहसील के गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं।

प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए लोगों से नदी के किनारे न जाने की अपील की है। बीते तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण बाणसागर डैम का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया था। प्रशासन को डैम के तीन गेट खोलने पड़े। इससे एकाएक बड़ी मात्रा में पानी सोन नदी में छोड़ा गया।

एसडीएम बोले- नदी किनारे न जाए: जिले की अन्य सहायक नदियों का पानी भी सोन नदी में मिलने से जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। गोपद बनास के एसडीएम नीलेश शर्मा ने लोगों से नदी के किनारे न जाने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अचानक जलस्तर में वृद्धि से बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

एसडीआरएफ टीम तैयार: एसडीआरएफ प्लाटून कमांडर मयंक तिवारी ने बताया कि उनकी टीम पूरी तरह मुस्तैद है। किसी भी आपात स्थिति में लोग तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना दें। प्रशासन ने सिहावल तहसील समेत आसपास के तटीय क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है।

निचले इलाकों में अलर्ट जारी: निचले इलाके जिनमें नगझर, कोल्हुडीह,सिहावल, बमुरी, घुघटा, खैरा, सहित कई गांव शामिल हैं। यहां रहने वाले परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी जा रही है। जनप्रतिनिधियों से भी सहयोग की अपील की गई है। सोन नदी के बढ़ते जलस्तर से फिलहाल कोई जनहानि की सूचना नहीं है। प्रशासनिक अमला, एसडीआरएफ और पुलिस बल राहत और बचाव कार्य के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाने चलेगा अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश के पंजीकृत वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) अनिवार्य रूप से लगाए जाने के लिए विशेष अभियान चलाया जायेगा। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को इस आशय के आदेश दिये है। प्रदेश में एक अप्रैल 2019 के बाद पंजीकृत वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए है।

केन्द्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राज्यमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना 4 दिसम्बर 2018 के अनुसार एक अप्रैल 2019 के बाद सभी पंजीकृत वाहनों में एचएसआरपी प्लेट लगाई जाना अनिवार्य है। वाहन पोर्टल में डाटा अपडेट करने के काम में तेजी लाई जा रही है। परिवहन विभाग ने परिवहन आयुक्त को इस कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए है। प्रदेश भर में दल गठित कर संबंधित वाहन डीलर के माध्यम से एनआईसी वाहन पोर्टल पर अद्यतन स्थिति दर्ज की जायेगी। इसके लिये एक विशेष अभियान चलाया जायेगा।

तीन माह में हो नम्बर प्लेट बदलने का कार्य: परिवहन विभाग ने एचएसआरपी प्लेट बदलने का कार्य आगामी 3 माह में पूर्ण करने के निर्देश जिला परिवहन अधिकारियों को दिए है। निर्देश में कहा गया है कि अपने जिले के समस्त डीलरों से निरंतर सम्पर्क में रहते हुए वाहनों में एचएसआरपी नम्बर प्लेट लगाई जाए। जिन वाहनों में एचएसआरपी नहीं है उन्हें पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सेंटर द्वारा प्रमाण पत्र, डुप्लीकेट पंजीकरण प्रमाण पत्र (आरसी) जारी करने, पंजीकरण प्रमाण पत्र में पता बदलना, शुल्क देकर आरसी विवरण देखना संभव नहीं हो सकेगा। साथ ही वाहनों के स्वामित्व बदलने, हाइपोथिकेशन जोड़ना और हटाना, नवीन-डुप्लीकेट परमिट जारी करना, परमिट का हस्तांतरण और नवीनीकरण, कराधान प्राधिकार के साथ अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करना और वाहन का पंजीयन निरस्तीकरण करना संभव नहीं हो सकेगा। निर्देश में कहा गया है कि वाहन की स्थाई-अस्थायी अनुज्ञाएं जारी करने, डुप्लीकेट फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने, वाहनों का फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करना, वाहनों के पंजीयन नवीनीकरण करने के साथ ही वाहन पोर्टल के माध्यम से दी जाने वाली सभी सुविधाएं मोटर मालिकों को नहीं मिल सकेंगी।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोश से अस्पताल को राशि अंतरित की गई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सांसद डॉ राजेश मिश्रा की पहल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संवेदनशीलता के साथ विचार करते हुए जिले के राकेश कुमार यादव के कैंसर उपचार हेतु दो लाख रूपये का अनुदान प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से स्वीकृत किया गया है। उक्त राशि एनईएफटी/आरटीजीएस के द्वारा सीधे अस्पताल के खाते में अंतरित की गई है। सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने बताया कि जिले के तहसील रामपुर नैकिन के ग्राम अहिरान टोला के राकेश कुमार यादव कैंसर की बीमारी से पीड़ित है। उन्होने उपचार के लिए राशि हेतु आवेदन किया गया था। उनकी आर्थिक एवं शारीरिक स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए प्रधानमंत्री से आर्थिक सहायता हेतु अनुरोध किया गया थां सांसद ने प्रधानमंत्री द्वारा आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत करने पर आभार व्यक्त किया है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री जी लोगों के कष्ट को समझते है इसलिए मेरे एक अनुरोध पर ही सहृदयता से उन्होने राशि स्वीकृत की है। इसके लिए प्रधानमंत्री का हृदय से आभार है।

जिले में औसत वर्षा 904.8 मि.मी. दर्ज

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 04 अगस्त को सीधी जिले में 13.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 34.5 मि.मी., चुरहट 12.0 मि.मी., गोपद बनास में 8.0 मि.मी., सिहावल में 9.4 मि.मी., बहरी में 4.4 मि.मी., मझौली में 23.0 मि.मी. और कुसमी में 4.0 मि.मी. वर्षा हुई है।

चाकघाट थाना प्रभारी द्वारा की गई नशे के विरुद्ध कार्यवाही के बाद पुराने वीडियो वायरल कर क्या साबित करना चाहते हैं समाज के ठेकेदार

मीडिया ऑडीटर, त्यौंथर (निप्र)। रीवा जिले का चाकघाट थाना क्षेत्र इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। विगत दिनों चाकघाट तथा जनेह ने पुलिस ने सयुक्त रूप से नशे के खिलाफ कार्यवाही की और 83 सीसी नशीली कफ सिरप के साथ उसका परिवहन कर रही अनीता साहू निवासी चाकघाट वार्ड क्रमांक 1 एवं उसके दो सहयोगी जो की एक विधि विरुद्ध बालक भी था उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनके ऊपर कार्यवाही की गई। कार्यवाही के बाद निश्चित तौर पर पुलिस की प्रशंसा होनी चाहिए लेकिन इसके ठीक उल्टा सोशल मीडिया पर ऐसे व्यक्ति जो अपने आप को समाज का ठेकेदार मानते हैं वे चाकघाट थाने के कुछ पुराने वीडियो वायरल कर पुलिस की कार्यवाही को झूठ बता रहे हैं उनका आरोप है कि पुलिस द्वारा इसमें एक पकड़ी गई थी लेकिन उसे कोरेक्स दिखा दिया गया । खैर या तो जांच का विषय है लेकिन कार्यवाही तो कार्यवाही है और कार्यवाही नशे के खिलाफ हुई है। इन वीडियो के वायरल होने के बाद वायरल करने वाले लोगों के ऊपर अनेक प्रकार के प्रश्न खड़े हो रहे हैं हालांकि अगर वीडियो वायरल है तो कहीं ना कहीं इसमें सत्यता होगी। लेकिन अगर ये सारे वीडियो समाज के ऐसे जागरूक ठेकेदारों के पास थे तो अभी तक यह वीडियो वायरल क्यों नहीं किए गए? अपने आप को समाज सुधारक खाने वाले इन लोगों के पास अगर ऐसे नशे के कारोबार की जानकारी थी तो इसकी सूचना पुलिस या पुलिस की आला अधिकारियों को अभी तक क्यों नहीं दी गई? चलिए थोड़ी देर के लिए मान लिया जाए की ये चाकघाट के हैं और इनमें नशे का कारोबार होना दिखाई दे रहा है तो कारवाई होने के तुरंत बाद ही यह वीडियो क्यों वायरल किया जा रहे हैं जबकि यह वीडियो पुराने बताये जा रहे हैं। अगर यह वीडियो पुराने है और यही के हैं तो इससे पहले सामाजिक लोगों एवं पुलिस विभाग द्वारा इन पर संज्ञान क्यों नहीं लिया गया। जैसे अनगिनत प्रश्न खड़े हो रहे हैं अब इन प्रश्नों का उत्तर तो समाज सुधारक और पुलिस विभाग की ऑला अधिकारी ही दे सकते हैं लेकिन अगर पुलिस ने नशे विरुद्ध कार्यवाही की है तो समाज एवं युवा पीढ़ी के लिए सुखद संदेश है । लेकिन जो भी वीडियो वायरल हो रहे हैं उनकी जांच होना भी आवश्यक है।

भोलेनाथ के दर्शन करने जा रहे परिवार का ऑटो पलटा, 13 लोग घायल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र के ग्राम झांझ में सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए जा रहे एक ही परिवार के 13 सदस्य घायल हो गए जब उनका ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा सुबह लगभग 11 बजे हुआ। ग्राम सजहा से रीवा जा रहे श्रद्धालुओं का वाहन एक मोड़ पर संतुलन खो बैठा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकाला।

सभी घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से रामपुर नैकिन अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में वाहन चालक शंकर केवट (31), जगनंदन गोंड (46), संतोष गोंड (36), शिवपूजन सिंह (27), राजबहोर सिंह (32), विजय सिंह (24), सावित्री सिंह (65), रति सिंह (41), राधा सिंह (29) और प्रशांत सिंह (9) शामिल हैं। अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर प्रेरणा त्रिपाठी ने बताया कि सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया जा चुका है। एक्सरे और अन्य जांचें की जा रही हैं। सभी की स्थिति नियंत्रण में है।

रामपुर नैकिन थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी के अनुसार पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वाहन दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। साथ ही पता लगा रही है कि वाहन में क्षमता से अधिक सवारियां थीं या नहीं। हादसे में किसी की जान नहीं गई है। पुलिस और चिकित्सकीय टीम सभी घायलों की देखरेख कर रही है।

8 किलोमीटर लंबी कावड़ यात्रा निकली, सावन के अंतिम सोमवार पर हजारों भक्तों ने किया शिवजी का जलाभिषेक

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में सावन के अंतिम सोमवार के अवसर पर कावड़ यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में हजारों की संख्या में स्थानीय लोग और भक्तजन शामिल हुए। कावड़ यात्रा के आयोजक अंकित सिंह ने बताया कि यात्रा की शुरुआत जोगिया वीर बाबा मंदिर गनियारी से हुई। यहां से जल लेकर कावड़िया नगर भ्रमण पर निकले। सबसे पहले बैढ़न के शिवधाम मंदिर पहुंचकर भगवान का पूजन किया गया।

भक्तों ने शिवजी का जलाभिषेक किया: इसके बाद नगर निगम शिव धाम में पूजन अर्चन हुआ। वहां से पैदल चलते हुए सभी कांवड़िए अति प्राचीन पचोर शिव मंदिर पहुंचे। वहां पर कावड़ में लाए हुए जल से भगवान शंकर का अभिषेक किया गया। इसके बाद भंडारे का भी आयोजन किया गया। यह कावड़ यात्रा आज से 10 साल पहले शुरू की गई थी। तब से हर सावन में यह यात्रा निकाली जाती है।

यात्रा लगभग 8 किलोमीटर लंबी रही। इस दौरान कावड़िया नाचते-गाते भी नजर आए। यात्रा की झांकी में सबसे पहले भगवान शंकर और माता पार्वती के स्वरूप को बैठाया गया था। कावड़ियों का जगह-जगह स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। पूरे मार्ग पर भक्ति का माहौल देखने को मिला।

लोक कला की कलात्मक प्रस्तुति के साथ निकली हरियाली यात्रा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जन अभियान परिषद विकासखंड सिहावल सेक्टर मायापुर अंतर्गत आदर्श ग्राम बरबंधा में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का कार्यक्रम शासकीय विद्यालय प्रांगण बरबंधा में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी आशीष मिश्रा तथा विशिष्ट अतिथि प्राचार्य शासकीय विद्यालय बरबंधा, विकासखंड समन्वयक जन अभियान परिषद अनिल कुमार पाठक की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में लोक कलाकारों द्वारा स्थानीय लोक नृत्य किया गया। उक्त कार्यक्रम सेक्टर मयापुर की नवाकुर संस्था के नेतृत्व एवं आयोजकत्व मे हुआ तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बरबंधा का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम में समस्त नवांकुर सखी मातृ शक्तियों के साथ ही ग्रामीण जन उपस्थित रहे। समिति के पदाधिकारी नवांकुर संस्था के अध्यक्ष तथा जन समुदाय द्वारा उत्साहपूर्ण ढंग से हरियाली यात्रा निकल गई तथा मुख्य अतिथि द्वारा पौधों का वितरण किया गया। उपस्थित सभी लोगों को पौधे की रक्षा करने के लिए शपथ दिलाया गया। मुख्य अतिथि समाज सेवी आशीष मिश्रा द्वारा अपने उद्बोधन में उपस्थित सभी माता बहनों से पौधा लगाने तथा उसे अपने परिवार के समान पालन पोषण करने के लिए आवाहन किया गया। उन्होंने कहा कि जन अभियान परिषद द्वारा मातृ शक्तियों को जोड़कर अद्भुत कार्य किया गया है। निश्चित रूप से माताएं जिस कार्य को पूर्ण मनोयोग से ठान लेती हैं वह कार्य फलीभूत होता है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री जी के सपने को साकार करने की दिशा में गति मिलेगी।

इस अवसर पर प्राचार्य ने कहा कि सभी को मिलजुल कर पौधारोपण करना चाहिए जिससे हमारा पर्यावरण सुरक्षित रहे तथा समाज स्वस्थ रहे। विकासखंड समन्वयक अनिल पाठक द्वारा परिषद द्वारा संचालित नवांकुर सखी हरियाली यात्रा की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

लैंडस्लाइड, कैमोर पहाड़ का मलबा रोड पर, बीछी-हरमा मार्ग से आवागमन प्रभावित; वाहन फंसे

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के चितरंगी ब्लॉक में सोमवार सुबह लगभग 7 बजे बीछी-हरमा मार्ग पर कैमोर पहाड़ का मलवा सड़क पर धंसक गया। इस घटना से मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया है।

घटना के समय बगदरा चौकी में पदस्थ आरक्षक रमेश बंसल मौके पर मौजूद थे। वे किसी मामले में हरमा गए हुए थे और वापस बगदरा लौट रहे थे जब उनके सामने ही यह हादसा हुआ। सड़क पर मिट्टी और भारी पत्थर जमा हो गए हैं।

उल्लेखनीय है कि जिले में पिछले जून महीने के दूसरे सप्ताह से ही बारिश का दौर जारी है। चितरंगी क्षेत्र में अन्य तहसीलों की तुलना में अधिक बारिश हो रही है। शनिवार रात से क्षेत्र में मूसलाधार बारिश हो रही है। इस भारी बारिश के कारण नाले उफान पर आ गए हैं। खेत और तालाब जलमग्न हो गए हैं। बारिश का प्रभाव कैमोर पहाड़ पर भी देखा गया है, जिससे पहाड़ का हिस्सा धंसक गया।

''पंच-ज'' अभियान के अंतर्गत न्यायाधीशगण हेतु नव-निर्मित आवासीय परिसर में हुआ पौधरोपण सह जागरूकता शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष प्रयाग लाल दिनकर के कुशल नेतृत्व एवं गरिमामय उपस्थिति में सोमवार 4 अगस्त को न्यायाधीशगण हेतु नव निर्मित आवासीय परिसर में पंच-ज अभियान के तहत पौधरोपण से विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला न्यायालय के अनेक न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्तागण, कर्मचारियों एवं पर्यावरण प्रेमियों ने भाग लिया और परिसर में विभिन्न प्रकार के छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया। पौधरोपण अभियान का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है, बल्कि न्यायिक परिसरों को अधिक स्वच्छ, हरित एवं सुंदर बनाना भी है।

प्रधान जिला न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में वृक्षों की भूमिका को रेखांकित किया और सभी से आव्हान किया कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाकर आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण प्रदान करें।

मुकेश कुमार शिवहरे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी ने उपस्थित लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता योजना, नालसा हेल्पलाईन नं. 15100, नालसा पोर्टल, पीड़ित प्रतिकर योजना, लोकोपयोगी लोक अदालत, मध्यस्थता योजना की जानकारी दी। मनीष कौशिक ने आगामी दिनांक 13 सितंबर 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के संबंध में की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आमजन को न्याय दिलाने हेतु निरंतर कार्यरत है।

उक्त शिविर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष प्रयाग लाल दिनकर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे, जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक, अधिवक्तागण आशुतोष गुप्ता, प्रमोद मिश्रा, डॉ. ए.पी. गौतम, दिलीप त्रिपाठी, के.के. शुक्ला, सुशील उपाध्याय, अशोक पाण्डेय, आराधना सिंह, आशुतोष शुक्ला, निशा मिश्रा सदस्य किशोर न्याय बोर्ड एवं पतंजली योग समिति के अन्य योग सहायकगण उपस्थित रहे।

ठेके पर सड़क सुरक्षा, जवाबदेही गुमः क्या विकास में आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं?

संपादकीय

देश में बेहतरीन सड़कें बनाने के दावे के बावजूद आज भी कई सड़कें इतनी असुरक्षित क्यों हैं कि उन पर हादसों की आशंका बनी रहती है। कई राज्यों में ऐसी सड़कें हैं, जिनका वर्षों से रखरखाव नहीं हुआ और उन पर सफर करना एक जोखिम से गुजरना है। यह दुखद है कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति के बावजूद भारत में सड़क हादसे कम नहीं हो रहे हैं। आज सड़कों पर पैदल चलने वालों तक के लिए जगह नहीं बची है।

दोपहिया चालक अक्सर जोखिम में रहते हैं। सड़क निर्माण में भारतीय कौशल से इनकार नहीं किया जा सकता, बावजूद इसके हमारी सड़कें दुनिया में सबसे खतरनाक हैं, तो इसकी वजह क्या है? सड़कों पर अगर जीवन संकट में पड़ने लगे, तो इसका मतलब है कि जीवन जीने का अधिकार सचमुच खतरे में है। इसी चिंता को चिह्नित करते हुए शीर्ष न्यायालय ने कहा है कि वाहन चलाने योग्य सुरक्षित और अच्छे रखरखाव वाली सड़क संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन जीने के अधिकार का एक हिस्सा है।

सड़कें सुरक्षा मानदंडों पर खरी नहीं उतरतीं

दरअसल, अधिकतर राज्यों में लोक निर्माण विभाग खुद सड़कें नहीं बनाता। प्रायः निविदाएं जारी कर ठेकेदारों को जिम्मा सौंप दिया जाता है। नतीजा यह कि सड़कें सुरक्षा मानदंडों पर खरी नहीं उतरतीं।

मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम और निजी कंपनी के बीच विवाद की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को गंभीरता से लेने की जरूरत है कि सड़क का जिम्मा निजी ठेकेदार पर छोड़ने के बजाय सरकार को यह काम सीधे अपने नियंत्रण में रखना चाहिए।

सड़कें जीवन के अधिकार का हिस्सा हैं, तो इसका गुणवत्तापूर्ण निर्माण और इसकी समुचित देखरेख निस्संदेह सरकार का दायित्व है। आज जिस तरह सड़कों पर वाहनों का बोझ बढ़ा है, इसे देखते हुए सड़कों की देखभाल की जरूरत स्वाभाविक रूप से बढ़ गई है। मानवीय भूल अपनी जगह हैं, लेकिन कई स्थानों पर यातायात संकेतक न होने और सड़कों पर दरारें पड़ने और धंसाव ने भी समस्या बढ़ाई है। सड़कों के निर्माण में अधिकतर त्रुटियां खराब अभियांत्रिकी के कारण ही सामने आई हैं। जरूरत इस बात की है कि नागरिकों के जीवन जीने के अधिकार को बिना किसी बाधा के सुनिश्चित करने के लिए सरकार हर स्तर पर जिम्मेदारी तय करे।

जीवन की अमूल्य धरोहर हैं माता-पिता

(फौज़िया नसीम शाद-विनायक फीचर्स)

आज की निरंतर बदलती जीवनशैली और उपभोक्तावादी सोच ने हमारे सामाजिक संबंधों की बुनियाद को ही डगमगा दिया है। रिश्तों में प्रेम, विश्वास और अपनापन अब उतना सहज नहीं रहा जितना कभी हुआ करता था। आधुनिकता की दौड़ में इंसान की अपेक्षाएं इतनी बढ़ गई हैं कि उसने अपने मूल्यों, संस्कारों और आत्मीय रिश्तों को पीछे छोड़ दिया है। अब हर संबंध को निभाने से पहले उसमें लाभ और हानि का हिसाब लगाया जाने लगा है और इसी प्रवृत्ति का सबसे गहरा और पीड़ादायक प्रभाव हमारे समाज के बुज़ुर्गों पर पड़ा है।

आदर्शों से व्यवहार की दूरी

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को ईश्वर तुल्य स्थान प्राप्त है। श्रवण कुमार जैसे पुत्रों की कहानियाँ पीढ़ियों तक सुनाई जाती रही हैं, जहाँ माता-पिता की सेवा को जीवन का सर्वोच्च कर्तव्य माना गया है। किंतु आज के समाज में लोभ, लालच और भौतिक सुखों की चाह ने संतान को इतना स्वार्थी बना दिया है कि माता-पिता को ही बोझ समझा जाने लगा है। यह प्रवृत्ति न केवल चिंताजनक है, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का संकेत भी है।

समाचार पत्रों और टीवी चैनलों पर आए दिन ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जहाँ वृद्धों पर अत्याचार होता है, उन्हें घर से निकाल दिया जाता है या उनके साथ हिंसा की जाती है। कुछ अत्यंत दुखद घटनाओं में तो संपत्ति के लालच में संतानें अपने माता-पिता की हत्या तक कर डालती हैं। यह वही माता-पिता होते हैं, जो अपने बच्चों की मुस्कान के लिए दिन-रात एक कर देते हैं, खुद गीले में सोते हैं और हमें सूखे में सुलाते हैं, हमारी हर ख्वाहिश को बिना कहे पूरी करते हैं और अपनी ज़रूरतों को हमारे लिए त्याग देते हैं। जब वही माता-पिता वृद्धावस्था में पहुंचते हैं और उन्हें हमारे सहारे की ज़रूरत होती है, तब वे हमारे लिए समस्या क्यों बन जाते हैं? क्यों हम उन्हें बोझ समझने लगते हैं? जिन आँखों में हम पले-बढ़े, जब वे आँखें हमारे व्यवहार से नम हो जाती हैं, तो क्या गुजरती होगी उस दिल पर? यह सोचने का विषय है।

सामाजिक चेतना की आवश्यकता

समय आ गया है कि हम युवा पीढ़ी आत्मचिंतन करें। माता-पिता को बोझ नहीं, जीवन की अमूल्य धरोहर समझें। उनकी सेवा और देखभाल केवल हमारा कर्तव्य ही नहीं, बल्कि नैतिक उत्तरदायित्व भी है। उनके वृद्धावस्था में उन्हें मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक सहयोग प्रदान करना हमारी संस्कृति की पहचान रही है। वहीं बुजुर्गों को भी समय की मांग को समझते हुए आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। उन्हें अपने भविष्य की सजग योजना बनानी चाहिए ताकि वे समाज में एक सक्रिय और सम्मानित भूमिका निभा सकें। उनका अनुभव और मार्गदर्शन आज के समाज के लिए एक अनमोल संसाधन हो सकता है।

जो आज हम बोयेंगे, वही कल काटेंगे

यह जीवन एक चक्र है- आज हम युवा हैं, कल हम भी वृद्ध होंगे। जिस व्यवहार की हम अपेक्षा अपने बच्चों से भविष्य में करते हैं, वही व्यवहार हमें आज अपने माता-पिता के साथ करना चाहिए। यदि हम आज उन्हें स्नेह, सम्मान और सुरक्षा देंगे, तभी हम आशा कर सकते हैं कि कल हमें भी वही मिलेगा।

बुजुर्गों की उपेक्षा केवल पारिवारिक या व्यक्तिगत विषय नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी है। यदि हम अपने वृद्धों का सम्मान करना भूल गए, तो हम अपने भविष्य का सम्मान नहीं कर पाएँगे।

इसलिए सोचिए अब भी समय है - सोच बदलिए, जीवन बदल जाएगा। (विनायक फीचर्स)

> अंग्रेजों के आगमन से पूर्व प्रत्येक गांव आत्मनिर्भर था–लोहार अपने औजार गढ़ता, कुम्हार मिट्टी को सोना बनाता, बुनकर हाथों से विश्वविख्यात वस्त्र बुनता, वैद्य लोकसेवा में समर्पित रहता। किन्तु 1813 के चार्टर एक्ट ने भारत के हस्तशिल्प पर भारी करों का बोझ डाला और ब्रिटिश मिलों में बने कपड़े यहाँ बिना शुल्क के थोप दिए गए।

भारत के लिए यह दौर आर्थिक जागरण का है

दीपक कुमार द्विवेदी

भारत की आत्मा केवल यज्ञ और तपस्या की भूमि में ही नहीं बसती, वह अपने उद्यमी मानस और व्यवसायी प्रवृत्ति में भी उतनी ही प्रखरता से प्रकट होती है। सहस्राब्दियों तक यह भूमि केवल कृषि पर निर्भर नहीं रही, अपितु निर्यात आधारित, विकेन्द्रीकृत आर्थिक व्यवस्था पर फलती फूलती रही। यहाँ का हर ग्राम, हर नगर शिल्प और व्यापार का केन्द्र था। हमारे व्यापारी जब सुदूर समुद्रों को पार कर अपने वस्त्र, मसाले, रत्न और लघु उद्योग के उत्पाद बेचने जाते, तो वहाँ केवल व्यापार ही नहीं, अपितु सनातन संस्कृति का अमिट चिह्न भी छोड़ आते। यही कारण था कि इस्लामी आक्रमणों से पूर्व, लगभग 1000 ईस्वी में भारत विश्व की सकल घरेलू उत्पाद का 30 से 33 प्रतिशत योगदान देता था। विश्व की अर्थव्यवस्था का यह स्वर्णयुग भारतीय श्रम, प्रतिभा और उद्यमिता का प्रत्यक्ष प्रमाण था।

किन्तु समय का प्रवाह बदलता गया। मुग़ल काल आते आते यह आँकड़ा घटकर 24 प्रतिशत पर आ गया। फिर अंग्रेजों के दो सौ वर्षों के शासन ने भारत को उस स्थिति में पहुँचा दिया कि 1947 में हमारा वैश्विक योगदान मात्र 4.2 प्रतिशत रह गया, और औद्योगिक उत्पादन में भारत का हिस्सा 25 प्रतिशत से गिरकर केवल 2 प्रतिशत तक सीमित हो गया। यह कोई प्राकृतिक घटना नहीं थी, न ही ब्राह्मणों के रोज़गार छीनने का परिणाम। यह सुनियोजित औपनिवेशिक लूट थी, जिसने भारत की आत्मनिर्भरता की रीढ़ तोड़ दी।

कुटीर उद्योगों का वध: अंग्रेजों के आगमन से पूर्व प्रत्येक गांव आत्मनिर्भर था–लोहार अपने औजार गढ़ता, कुम्हार मिट्टी को सोना बनाता, बुनकर हाथों से विश्वविख्यात वस्त्र बुनता, वैद्य लोकसेवा में समर्पित रहता। किन्तु 1813 के चार्टर एक्ट ने भारत के हस्तशिल्प पर भारी करों का बोझ डाला और ब्रिटिश मिलों में बने कपड़े यहाँ बिना शुल्क के थोप दिए गए। परिणाम यह हुआ कि 1830 के दशक तक हजारों बुनकर और शिल्पकार अपनी आजीविका खो बैठे। इतिहास साक्षी है, बंगाल में घरों के हाथ काट दिए गए ताकि इंग्लैंड के कपड़ा उद्योग के सामने भारतीय वस्त्रकार कोई चुनौती न रह जाए। इस बीच अकालों की त्रासदी ने देश को झकझोर दिया। 1770, 187078 और 18971900 के बीच आए अकालों में लगभग 3 करोड़ लोग भूख से मर गए, जबकि भारत के अनाज का निर्यात ब्रिटेन होता रहा। औपनिवेशिक नीतियों ने समृद्ध ग्राम्य उद्योगों को समाप्त कर भारत को कच्चे माल का गुलाम बना दिया।

डेड इकोनॉमी भारतीय समाजवाद की विरासत: आज जब विश्व राजनीति के सबसे शक्तिशाली मंच से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत की अर्थव्यवस्था को 'डेड इकोनॉमी' कहने का दुस्साहस करते हैं, और भारत की संसद के बाहर राहुल गांधी उसी स्वर में कहते हैं कि ट्रंप सही कह रहे हैं, भारत की अर्थव्यवस्था डेड है; तब यह कथन करते हुए राहुल गांधी उस ऐतिहासिक भूल की प्रतिध्वनि दोहराते हैं, जो स्वतंत्रता के पश्चात् इस देश की आर्थिक दिशा निर्धारण में की गई थी और जिसकी कीमत आज भी हम चुका रहे हैं। भारत की स्वतंत्रता का क्षण केवल राजनीतिक दासता से मुक्ति का उत्सव नहीं था। वह उस राष्ट्र के पुनरुत्थान का व्रत था जिसने सहस्त्राब्दियों तक ज्ञान, विज्ञान और समृद्धि का प्रकाश पूरी दुनिया में फैलाया था। परंतु दुर्भाग्य यह रहा कि 1947 में मिली आज़ादी के बाद जिस मार्ग का चुनाव किया गया, उसने इस स्वर्णिम परंपरा को पुनर्जीवित करने के बजाय आर्थिक जकड़न और समाजवादी ठहराव की गहराई में धकेल दिया।

समाजवाद का जाल और मरणासन्न अर्थव्यवस्था: भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने सोवियत मॉडल को आर्थिक न्याय का साधन मानकर अपनाया। उद्योग-व्यवसायों पर सरकारी शिकंजा कस दिया गया। हर नवाचार, हर निवेश सरकारी लाइसेंस और अनगिनत हस्ताक्षरों की दया पर निर्भर हो गया। उद्यमी अपराधी समझे जाने लगे, व्यापार को शोषण का प्रतीक बताया जाने लगा। 1970 और 80 के दशक में जब पूरी दुनिया औद्योगिक क्रांति की नई लहर पकड़ रही थी, भारत 23 प्रतिशत की वृद्धि दर में सड़ रहा था। महंगाई 2025 प्रतिशत तक पहुँच चुकी थी। कर-प्रणाली इतनी अन्यायपूर्ण थी कि एक लाख रुपये कमाने वाला 98 हजार रुपये टैक्स में चुका देता। शेष बचे जीवन को लालफीताशाही और भ्रष्टाचार चूस लेते।

डॉ. भीमराव आम्बेडकर ने संविधान सभा में स्पष्ट कहा था: डॉ. आम्बेडकर ने कहा था, ÷राज्य की नीतियां समय और परिस्थितियों के अनुसार जनता को स्वयं तय करनी चाहिए, इसे संविधान में बांधना लोकतंत्र को नष्ट कर देगा। फिर भी आपातकाल (197577) के अंधकार में 42वां संविधान संशोधन लाया गया, जिसमें 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्द जबरन जोड़े गए। विपक्ष जेलों में ठूंस दिया गया, मीडिया पर सेंसरशिप लगी, और लोकतंत्र की आत्मा को कुचल दिया गया। यह वही कालखंड था जब भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व की सबसे धीमी गति की 'डेड इकोनॉमी' कहा जाने लगा। 1947 से 1990 तक विकास दर 3 प्रतिशत से अधिक कभी नहीं हुई, महँगाई दर 2025 प्रतिशत पर पहुँच गई, टैक्स संरचना इतनी दमनकारी थी कि आय का 9098 प्रतिशत तक करों में चला जाता था। इस आर्थिक मृत्यु का सामाजिक प्रभाव भी कम भयानक नहीं था। सरकारी नौकरी जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि बन गई। विवाह संबंध उसी पर आधारित होने लगे। ÷सरकारी दूल्हा÷ दुर्लभ वस्तु की तरह था और उसकी कीमत दहेज में चुकाई जाती थी। जो परिवार यह कीमत न चुका सके, उनकी बेटियों को मिटा दिया जाता। 70 और 80 के दशक में दहेज हत्याओं की बाढ़ आ गई। एक पूरी पीढ़ी ने यह राक्षसी दौर देखा, और उसी विष को संस्कारों के रूप में अपनी अगली पीढ़ियों में उड़ेल दिया। समाजवाद केवल अर्थव्यवस्था का नहीं, मनुष्यता का भी हत्यारा साबित हुआ।

चूके हुए अवसर और खोया हुआ समय: जब चीन 1977-78 में अपनी कृषि और उद्योग को दुनिया के लिए खोलने का साहस कर रहा था, भारत सत्ता की कुर्सियों पर बैठे नेताओं की दूरदृष्टिहीनता में जकड़ा रहा। 1985 तक दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएँ बराबर थीं। पर 2009 तक चीन वैश्विक आपूर्ति शृंखला का 25 प्रतिशत हिस्सा बन गया और भारत अब भी समाजवाद की लाश ढो रहा था। 1991 में जब भारत दिवालियेपन की कगार पर पहुँचा, तब मजबूरी में उदारीकरण हुआ। पी.वी. नरसिम्हा राव और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकारों ने सुधारों की नींव डाली। मगर 2004 से 2014 तक कांग्रेस की यूपीए सरकार ने इन्हें रोक दिया। सुधारों पर एनएसी जैसी संस्थाओं ने कुंडली मारकर बैठना शुरू किया। निवेशक भाग गए, उद्यमिता फिर दम तोड़ने लगी।

सामाजिक संरचना का विकृति की ओर पतन: जब सरकारी नौकरी ही जीवन का चरम आदर्श बन गई, और निजी उद्यमिता दम तोड़ने लगी, तब समाज में एक विकृत संस्कृति का जन्म हुआ। विवाह के बाजार में सरकारी वर की कीमत बढ़ी, दहेज की प्रथा दानव बन गई। 197080 के दशक में दहेज के नाम पर बहुओं को जलाने की घटनाएँ बाढ़ की तरह बढ़ीं। भ्रूणहत्या और स्त्रियों के प्रति हिंसा बढ़ी। यही वह बीज था, जिसने आज के समाज में रिश्तों की कठोरता, धनलोलुपता और मूल्यहीनता को जन्म दिया। समाजवाद ने न केवल अर्थव्यवस्था का, बल्कि सामाजिक और नैतिक मूल्यों का भी संहार कर दिया है।

चीन और भारत–एक तुलनात्मक दृष्टि: 1985 में भारत और चीन की अर्थव्यवस्था लगभग बराबर थी। किन्तु चीन ने 197778 में साम्यवाद की बेड़ियाँ तोड़ दीं, कृषि सुधार और उदारीकरण को अपनाया, और आज वह विश्व आपूर्ति श्रृंखला का 25 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। भारत लोकतांत्रिक होते हुए भी समाजवाद की लाश ढोता रहा। 1991 में पी.वी. नरसिम्हा राव और अटल बिहारी वाजपेयी ने सुधारों का मार्ग खोला, किन्तु 200414 में सुधार फिर ठप पड़ गए। 2009 आते-आते चीन भारत से पांच गुना आगे निकल चुका था।

19912004– नई हवा का झोंका: 1991 में विदेशी मुद्रा भंडार कुछ ही दिनों का बचा था। भारत दिवालिया होने की कगार पर था। तब प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव और वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने साहस दिखाया। लाइसेंस-राज की दीवारें दरकने लगीं। निजी निवेश के दरवाजे खुले। उद्यमिता ने साँस लेना शुरू किया। अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में दूरसंचार क्रांति, राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ और आईटी सेक्टर का उदय हुआ। अर्थव्यवस्था में 67त्न की वृद्धि दर आई। युवाओं के लिए अवसर बढ़े, उद्योगों में निवेश लौटने लगा। यह पहली बार था जब भारत ने वैश्विक बाजार में फिर से अपने कदम बढ़ाने शुरू किए।

20042014– ठहराव और भ्रष्टाचार का दशक: उम्मीद थी कि सुधारों की गति और तेज़ होगी। परंतु 2004 के बाद नीतिगत पक्षाघात और भ्रष्टाचार ने अर्थव्यवस्था को जकड़ लिया। 2त्न स्पेक्ट्रम घोटाला, कोयला ब्लॉक घोटाला, कॉमनवेल्थ खेल घोटाला इन कांडों ने भारत की छवि धूमिल कर दी। निवेशकों का भरोसा टूटा। भूमि अधिग्रहण पर रुकावटें, पर्यावरणीय मंजूरियों की आड़ में उद्योगों का रोका जाना, किसान और मजदूर यूनियनों का राजनीतिक हथियार के रूप में उपयोग इन सबने औद्योगिकरण की गति को रोक दिया। त्नष्ठक्क वृद्धि दर औसतन 6.8त्न रही, परंतु ठोस नीतिगत सुधार न होने से भारत चीन से मीलों पीछे छूट गया। 1985 में जो चीन हमारे बराबर था, 2010 आते-आते वह वैश्विक सप्लाई चेन का 25त्न हिस्सा बन चुका था, और हम घोटालों में फंसे थे। ऐसे परिदृश्य में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बयान आता है। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को ÷डेड इकोनॉमी÷ कह डाला और भारत से आयातित वस्तुओं पर नए शुल्क लगाने का ऐलान कर दिया। यह केवल आर्थिक दबाव बनाने की चाल नहीं थी, बल्कि हमारी दशकों पुरानी नीतिगत विफलताओं का वैश्विक खुलासा था।

राहुल गांधी ने इस बयान का समर्थन करते हुए कहा कि ÷ट्रंप गलत नहीं हैं। मोदी जी ने देश की अर्थव्यवस्था को समाप्त कर दिया।÷ उन्होंने नोटबंदी, दोषपूर्ण जीएसटी, एमएसएमईएस की तबाही और किसानों की दुर्दशा को कारण बताया। पर वे यह बताना भूल गए कि 1947 से 1990 तक की डेड इकोनॉमी उनकी पार्टी की ही देन थी। वही समाजवादी प्रयोग, वही लालफीताशाही और वही भ्रष्टाचार जिसने भारत को पिछड़ा रखा, कांग्रेस की नीतियों की विरासत थी। आज के संकट का बीज उन्हीं दशकों में बोया गया था। मोदी सरकार सुधारों की कोशिश कर रही है, लेकिन चालीस वर्षों की गलत दिशा को दस वर्षों में पूरी तरह पलटना संभव नहीं। फिर भी राजनीति का खेल यही है–जिन्होंने बीमार शरीर बनाया, वही आज इलाज पर सवाल उठा रहे हैं।

20142025–पुनरारंभ और नई उम्मीद: 2014 में नरेन्द्र द्र मोदी सरकार के आने के बाद सुधारों का नया दौर शुरू हुआ। जीएसटी ने कर ढांचे को सरल किया, दिवालियापन कानून ने उद्योगों में अनुशासन लाया। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं ने उद्यमिता को पुनर्जीवित किया। आधारभूत संरचना में निवेश अभूतपूर्व रूप से बढ़ा।

विदेशी निवेश (एफडीआई) ने नया रिकॉर्ड बनाया 2014 से 2024 के बीच 500 बिलियन से अधिक निवेश आया, जो 2004-14 के मुकाबले दोगुना था। बेरोजगारी दर 2014 के 7.6त्न से घटकर 2024 में 4.2त्न रह गई।

भारत विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना

हिन्दी का बदलता संसार

हिन्दी क्षेत्रों में वाजार, स्कूल, मनोरंजन, कोर्ट–कचहरी, अस्पताल, सरकारी कार्यालय और बैंक आदि स्थानों पर हिन्दी और अंग्रेजी भाषाएं प्रतिष्ठा, प्रामाणिकता और उपलत्थता के पैमानों पर अलग पायदानों पर खड़ी दिखती हैं। अंग्रेजी की स्वीकार्यता निश्चित रूप से अधिक है और वह कुछ अतिरिक्त मोह के साथ भारतीय मानस पर चढ़ी हुई है

अनुमान है कि इक्कीसवीं सदी में विश्वपटल पर एशिया और खास तौर पर भारत और चीन देशों की मुख्य भूमिका हो सकती है। वे कई परिवर्तनों की और हमारा ध्यान आकृष्ट करते हैं। संचार माध्यमों के तीव्र विस्तार के साथ देश काल के पैमाने वदल रहे हैं और कई अर्थों में विश्वव्यवस्था और विश्वगांव जैसे जुमले वास्तविकता का आकार ले रहे हैं। विदेशी निवेशकों को व्यापार वाणिज्य के लिए आकर्षित करना बदल रहे माहौल में नये किस्म की जरूरतें पैदा कर रहा है।

अपने हितों को देखते हुए कहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत के साथ व्यापार वढ़ा रही हैं। इनके दवावों के वीच युवतर मानव संसाधन उपलब्ध कराना और उन्हें कार्यनिपुण बनाना महत्त्वपूर्ण हो गया है। चूंकि उपभोक्ता या ग्राहक हिन्दी क्षेत्र में अधिक हैं अतः अर्थ तंत्र की संघटना में हिन्दी की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत हुई है। इस वीब सूचनास्त्रौद्योगिकी का भी अप्रत्यासित रूप से अकूत किस्तार हुआ है. जिस्से भाषाव्यवहार को सभी क्षेत्रों में प्रभावित किया है। सरकारी और निजी दुनिया में कंप्यूटर की बढ़ती पैठ से कार्य के परिवेश और कार्य पद्धति में एक अनिवार्य बदलाव आ रहा है।

हिन्दी भाषा की क्षमता को कई तरह से आंका जाता है। उसके बोलने वालों का बढ़ता संख्या बल, साहित्यसृजन की मात्र और उसके प्रकाशन का विस्तार, हिन्दी की बढ़ती शब्दसंपदा, हिन्दी का लचीला भाषिक स्वरूप, जनसंचार माध्यमों में हिन्दी की बढ़ती उपस्थिति, भाषांतर या अनुवाद की व्यवस्था (यांत्रिक भी), पारिभाषिक शब्दावली का विकास आदि को ध्यान में रख कर हिन्दी की व्यापक भूमिका को अक्सर रेखांकित किया जाता है। भारत के एक बड़े भू भाग में रहने वाली आम जनता अपने सामान्य जीवन में हिन्दी को व्यवहार में लाती है परंतु घर के बाहर निकलते ही उसे एक भिन्न प्रकार के और एक हद तक अस्वाभाविक भाषिक संसार का सामना करना पड़ता है। हिन्दी क्षेत्रों में बाजार, स्कूल, मनोरंजन, कोर्टकचहरी, अस्पताल, सरकारी कार्यालय और बैंक आदि स्थानों पर हिन्दी और अंग्रेजी भाषाएं प्रतिष्ठा, प्रामाणिकता और उपलब्धता के पैमानों पर अलग पायदानों पर खड़ी दिखती हैं। अंग्रेजी की स्वीकार्यता निश्चित रूप से अधिक है

और वह कुछ अतिरिक्त मोह के साथ भारतीय मानस पर चढ़ी हुई है। यह तब है जब पूरे भारत में हिन्दी जानने वालों की संख्या 50 प्रतिशत और अंग्रेजीदां की संख्या महज 10 प्रतिशत है। वैसे कोई भी भाषा पूर्णतया स्थिर नहीं होती है। वह प्रयोग और संदर्भ के अनुसार विकसित होती है। जब भाषा के प्रयोग को समाज में सम्मान मिलता है तो उसकी स्वीकृति बढ़ती है। भाषा प्रयोग की औपचारिक और अनौपचारिक शैलियों में भी अंतर पाया जाता है और उनकी शब्दावली भी भिन्न हो जाती है। परंतु यह सर्वमान्य है की कोई भाषा उतनी ही सीखी जाती है जितनी उसकी उपयोगिता होती है। भाषा के प्रयोग से ही उसका अस्तित्व होता है और प्रयोक्ताओं कि आवश्यकता से उसकी दक्षता निर्धारित होती है। जब समाज को भाषा की जरूरत होती है तो वह उसका संरक्षण करता है।

यह भी गौरतलब है कि भाषाओं के विस्तार के लिए राजनीति बेहद महत्वपूर्ण है। यदि आज अंग्रेजी का बोलवाला है तो इसका कारण यही है कि दुनिया में अनेक देश उसके उपनिवेश रहे हैं। वही हाल फ्रेंच या स्पेनिश साम्राज्य का था। जहां भी उनके उपनिवेश वने वहां उनकी भाषा चली। विलक्षण वात यह है कि स्वतंत्रता मिलने के सात दशक बाद भी आंग्रेजी के प्रति ज्यादातर भारतीयों का एक दुर्निवार आकर्षण आज भी बना हुआ है और उसे आसानी से देखा जा सकता है। इसके कारणों पर गौर करें तो कुछ बातें स्पष्ट रूप से सामने आती हैं।

जीवन के अनेक क्षेत्रों में प्रयोग के कारण अंग्रेजी का प्रभुत्व बना हुआ है। अंग्रेजी ज्ञान के आधार पर अच्छी नौकरी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। साथ ही सरकारी दस्तावेज मूलतः अंग्रेजी में होते हैं और सरकारी कामकाज में अंग्रेजी का बोलवाला है। इसी तरह प्रौद्योगिकी और ज्ञानविज्ञान के क्षेत्र में भी अंग्रेजी की उपस्थिति प्रमुखता से देखी जा सकती है। हिन्दी कि प्रगति के लिए यह जरूरी होगा कि औपचारिक क्षेत्रों में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग किया जाए। अपनी भाषा में सोचने, पढ़ने और लिखने से सर्जनात्मकता को भी बल मिलेगा। वैसे भी वहुभाषा भाषी देश में एक सर्वस्वीकृत भाषा का होना जरूरी है। एक विदेशी भाषा के रूप में आंग्रेजी का स्थान भारतीय भाषाओं के वाद ही आना चाहिए।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि ध्वजारोहण कर लेंगे परेड की सलामी

उल्लास और उमंग के साथ मनाया जायेगा स्वतंत्रता दिवस: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह पूर्वक मनाया जायेगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम एसएएफ मैदान रीवा में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि जिले भर में स्वतंत्रता दिवस समारोह उल्लास और उमंग के साथ मनाया जायेगा। शासन के निर्देशों के अनुसार जिला विकासखण्ड तथा ग्राम पंचायत स्तर पर समारोह आयोजित किये जायेंगे। समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा। समारोह में सामूहिक रूप से राष्ट्रगान का गायन होगा। समारोह में आकर्षक परेड तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। स्वतंत्रता दिवस पर शालाओं में विशेष मध्यान्ह भोजन का आयोजन होगा।

कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय समारोह एसएएफ मैदान में प्रातः 9 बजे मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण से आरंभ होगा। समारोह में जिला पुलिस बल, एसएएफ, नगर सैनिक, औद्योगिक सुरक्षा बल, स्काउट गाइड्स तथा एनसीसी कैडेट द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी जायेगी। समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री जी के स्वतंत्रता दिवस संदेश का वाचन करेंगे। इसी तरह नगरीय निकायों, जनपद पंचायतों तथा ग्राम पंचायतों में ध्वजारोहण किया जायेगा। सभी शासकीय तथा अशासकीय कार्यालयों एवं शिक्षण संस्थाओं में भी प्रातः 8 बजे तक ध्वजारोहण किया जायेगा। शासन के निर्देशों तथा ध्वज संहिता का पालन करते हुए ध्वजारोहण तथा शाम में ध्वज को सम्मानपूर्वक अवरोहित कर सुरक्षित रखने की व्यवस्था करें। सभी शासकीय भवनों में 14 एवं 15 अगस्त की रात में रोशनी की व्यवस्था करायें।

कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय कार्यक्रम के लिये नगर निगम एसएएफ मैदान में साफ-सफाई तथा पानी की व्यवस्था करायेगा। कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी मैदान के समतलीकरण, वैरिकेटिंग एवं बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करें। अधीक्षण यंत्री विद्युत मंडल बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिये जनरेटर की व्यवस्था करेंगे। आयुक्त नगर निगम पंडाल, कुर्सी, साफ-सफाई तथा मंच सज्जा की व्यवस्था कराएं। अन्य अधिकारियों को भी स्वतंत्रता दिवस समारोह के संबंध में जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं उसके अनुरूप समस्त कार्यवाहियां सुनिश्चित करें। समारोह में शामिल दलों का परेड अभ्यास तत्काल शुरू करा दें रक्षित निरीक्षक इसके लिये आवश्यक व्यवस्थायें करें। अंतिम रिहर्सल 13 अगस्त को होगा। जिला शिक्षा अधिकारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियां करें। बैठक में कलेक्टर ने माइक एवं साउंड व्यवस्था, मैदान की साज सज्जा तथा बैठक व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि शासन के निर्देशों के अनुसार स्वतंत्रता दिवस समारोह में शहीदों के परिजनों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा लोकतंत्र के प्रहरियों को सम्मानित किया जायेगा। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के संबंध में की जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी दी। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर आरके सिन्हा, सभी एसडीएम, जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल बस और डायल-100 में भिड़ंत, तीन बच्चे घायल

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र में सरस्वती संस्कार हाई स्कूल की बस और पुलिस की डायल-100 गाड़ी में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में तीन बच्चों (साहिल पटेल, रोहित जायसवाल और शिवम पटेल) को मामूली चोट आई है। घटना के वक्त बस में 25 स्कूली बच्चे सवार थे। ये सभी बराव गांव के रहने वाले हैं। उन्हें तुरंत मऊगंज सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद सभी की हालत सामान्य बताई गई है। घटना सोमवार सुबह 11 बजे बराव मिश्रान टोला के पास एक मोड़ पर हुई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, स्कूल बस पहाड़ी की तरफ से आ रही थी, जबकि पुलिस का वाहन मऊगंज की ओर से जा रहा था। मोड़ पर दोनों गाड़ियां आपस में टकरा गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्कूल स्टाफ, ग्रामीण और पुलिस तुरंत घटना स्थल पर पहुंचे। बच्चों के अभिभावकों में भी इस घटना को लेकर चिंता फैल गई। प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और मामले की जांच शुरू की। शुरुआती जांच में हादसे की वजह लापरवाही या मोड़ पर दृश्यता की कमी मानी जा रही है। फिलहाल पुलिस दोनों पक्षों के बयान ले रही है।

स्मैक की पुड़िया बनाती महिला कैमरे में कैद, पैकिंग से लेकर बिक्री तक का स्टिंग वीडियो; 500 ग्राम हेरोइन साढ़े 5 लाख रुपए में

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के चाकघाट में स्मैक (हेरोइन) का कारोबार खुलेआम हो रहा है। चाकघाट में इन दिनों युवक स्मैक के शौकीन हो गए हैं। जिसकी खबर स्थानीय लोगों द्वारा कई बार जिला प्रशासन और पुलिस को दी गई लेकिन पुलिस के द्वारा मामले में कोई भी कार्यवाही नहीं की गई। उधर पुलिस नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान भी चला चुकी है। रीवा में स्मैक का कारोबार कैसे किया जाता है। कैसे इसकी बिक्री की जाती है और कैसे इसकी पैकिंग की जाती है। यह स्टिंग महज 3 दिन पहले 1 अगस्त को किया गया। जहां स्मैक की बिक्री से लेकर पैकिंग तक को कैमरे में कैद किया, ताकि रीवा में ड्रग्स और नशे के बढ़ते कारोबार का पर्दाफाश किया जा सके।

स्मैक बेच रही महिला अनीता साहू पति बुद्धीलाल साहू उम्र 35 वर्ष है। जो कि चाकघाट के वॉर्ड क्रमांक 1 की रहने वाली है। जो वॉर्ड क्रमांक 1 में ही वर्षों से स्मैक का कारोबार करती आ रही है। अब तक डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल, सांसद जनार्दन मिश्रा और विधायक अभय मिश्रा ने रीवा में कोरेक्स के बढ़ते प्रचलन पर ही चिंता जताई थी। लेकिन अब रीवा कोरेक्स के नशे से एक कदम आगे निकल गया है।

1500 रुपए प्रति ग्राम, पुड़िया बनाकर 200-300 में बिक रही: दरअसल नाम न बताने की शर्त पर कारोबारी के एक खास व्यक्ति ने बताया कि स्मैक बहुत महंगा है। 1500 रुपए में 1 ग्राम खरीदते हैं। जबकि 100 ग्राम स्मैक 1 लाख 10 हजार रुपए में पड़ता है। 500 ग्राम स्मैक आराम से साढ़े 5 लाख रुपए में मिल जाता है। छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर 200 से 300 रुपए में बेचते हैं। स्टिंग वीडियो में देखा जा सकता है कि रीवा में कैसे खुलेआम ड्रग्स और स्मैक का नशा बेचा जा रहा है। महिला तकरीबन 4 सालों से उसी जगह पर स्मैक बेच रही है। लेकिन पुलिस अब तक उस पर ड्रग्स अधिनियम की धाराओं के तहत कार्यवाही नहीं कर पाई है।

समग्र पोर्टल में ई केवाईसी सत्यापन न होने पर रूकेगी पेंशन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन द्वारा सामाजिक न्याय विभाग के तहत पात्र दिव्यांगजनों, वृद्धजनों तथा अन्य हितग्राहियों को पेंशन योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इन्हें हर महीने पात्रता के अनुसार राशि इनके बैंक खाते में जारी की जाती है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन सहित सभी पेंशन योजनाओं में 31 अगस्त तक समग्र पोर्टल में ई केवाईसी सत्यापन के निर्देश दिए गए हैं। शासन द्वारा जारी निर्देश के अनुसार हितग्राहियों द्वारा सत्यापन न कराने पर योजनाओं का लाभ होल्ड किया जाएगा। ई केवाईसी कराने के बाद ही पेंशन योजना पुनः लाभ दिया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को शिविर लगाकर तथा घर-घर जाकर शेष बचे हितग्राहियों की ई केवाईसी सत्यापन 25 अगस्त तक अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि आयुक्त नगर निगम तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ई केवाईसी सत्यापन की नियमित समीक्षा कर प्रतिदिन रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

सीएम हेल्पलाइन में सौ दिन से अधिक की सभी शिकायतें निराकृत करें: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। आगामी सात दिनों में सीएम हेल्पलाइन में सौ दिन से अधिक समय से लंबित सभी प्रकरणों का निराकरण करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। कार्यालय प्रमुख स्वयं प्रकरणों का अध्ययन करके उनमें तथ्यपरक उत्तर दर्ज कराएं। मांग आधारित आवेदनों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार बंद करें। जुलाई माह की ग्रेडिंग में कोई भी विभाग डी और सी श्रेणी में न रहे। अपर कलेक्टर सीएम हेल्पलाइन में लंबित भू अर्जन के प्रत्येक प्रकरण की समीक्षा करके उनका निराकरण कराएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, जिला श्रम पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, कार्यपालन यंत्री पीएचई, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग तथा जिला आपूर्ति अधिकारी सीएम हेल्पलाइन के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। एल-1 अधिकारी से बिना किसी कार्यवाही के आवेदन आगे जाने पर संबंधित अधिकारी को नोटिस देकर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही करें। जनपद के सीईओ समग्र पोर्टल में हितग्राहियों का शत-प्रतिशत ई केवाईसी 25 अगस्त तक सुनिश्चित करें। ई केवाईसी न होने पर हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना में शत-प्रतिशत पात्र परिवारों को आवास का लाभ देने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। शहरी क्षेत्र के हर पात्र हितग्राही को 15 अगस्त तक आवेदन कराकर आवास योजना से लाभान्वित करें।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से पात्र बुजुर्ग करेंगे द्वारिका-सोमनाथ की यात्रा

तीर्थ दर्शन ट्रेन से यात्रा के लिए आवेदन 13 अक्टूबर तक

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से वरिष्ठ नागरिकों को किसी एक तीर्थ स्थल की निःशुल्क यात्रा कराई जाती है। इस योजना के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे वरिष्ठ नागरिक जो आयकर दाता नहीं हैं तीर्थयात्रा कर सकते हैं। महिलाओं को आयु सीमा में दो वर्ष की छूट दी गई है। इस संबंध में कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने बताया कि रीवा रेलवे स्टेशन से तीर्थ दर्शन ट्रेन 25 अक्टूबर को द्वारिका-सोमनाथ के लिए प्रस्थान करेगी। जिले के पात्र बुजुर्ग तीर्थ दर्शन यात्रा का लाभ लेने के लिए तहसील कार्यालय, जनपद कार्यालय अथवा नगर पंचायत कार्यालय में 13 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। कलेक्टर ने पात्र बुजुर्गों से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान में हर व्यक्ति को सहभागी बनाएं: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि दो अगस्त से 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के प्रथम चरण में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके अभियान के लिए वातावरण का निर्माण करें। देश के स्वतंत्रता तथा राष्ट्रीय ध्वज के महत्व के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें। तिरंगा यात्रा, तिरंगा रैली, मानव श्रृंखला बनाकर तथा प्रभातफेरी के माध्यम से हर व्यक्ति को इस अभियान में सहभागी बनाएं। सभी अधिकारी भी हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभायें। अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम, रंगोली, तिरंगा मेला जैसे कार्यक्रम आयोजित करें। जिला, विकासखण्ड और ग्राम स्तर पर अभियान से जुड़े कार्यक्रम आयोजित कराएं।

कलेक्टर ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के साथ-साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह और स्वच्छता अभियान भी जुड़ा हुआ है। सभी अधिकारी अपने कार्यालय और कार्यालय परिसरों में साफ-सफाई कराएं। कार्यालय के अभिलेखों को व्यवस्थित कराएं। अभियान का तीसरा चरण 13 से 15 अगस्त तक चलाया जाएगा। इस अवधि में सभी प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा फहराया जाएगा। कार्यालयों, निजी प्रशासनिक आवासों तथा वाहनों में तिरंगा फहराएं। तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर पोर्टल पर अपलोड करने के लिए लोगों को प्रेरित करें। अभियान के दौरान जल जीवन मिशन तथा स्वच्छता मिशन के तहत नगरीय निकाय के सभी वार्डों एवं ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण के कार्य और स्वच्छता के कार्य कराएं। जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी हर घर तिरंगा अभियान में सहभागी बनाएं। सभी एसडीएम अपने-अपने अनुभागों में अभियान की मानीटरिंग करें। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रत्येक ग्राम पंचायत में अभियान का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभियान की मानीटरिंग करें। आयुक्त नगर निगम नगरीय निकाय के सभी वार्डों में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान संचालित कराएं।

बुजुर्ग महिला को हाथ ठेला में बैठाकर पहुंचाना पड़ा अस्पताल, सड़क न होने से मरीजों को समस्या

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। त्योंथर के ग्राम पंचायत मदरो के काल्ही गांव में खराब सड़क की वजह से 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला को हाथ ठेले में लेकर अस्पताल तक पहुंचाना पड़ा। जिसका वीडियो सामने आया है।बताया गया कि गांव के ही निवासी दीपक सिंह की दादी 75 वर्षीय पार्वती सिंह की तबीयत अचानक खराब हो गई। तबीयत खराब होने की वजह से खराब सड़क में फिसलकर गिर पड़ी। जिससे हाथ में गंभीर चोंट आई। आनन फानन में एम्बुलेंस को फोन किया गया लेकिन खराब सड़क का हवाला देते हुए एम्बुलेंस ने आने से मना कर दिया। जिसके बाद हाथ ठेला का सहारा लेना पड़ा। संजय गांधी अस्पताल तक लाने के लिए मुख्य मार्ग तक पहुंचना ही चुनौती बन गया। 2 किलोमीटर में सड़क नहीं है। घुटने से ऊपर तक पानी और कीचड़ रहता है।

सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत, समाधान नहीं: दीपक सिंह ने बताया कि मैं सड़क को लेकर मुख्यमंत्री हेल्पलाइन तक में शिकायत दर्ज करवा चुका हूं। मैं ग्राम काल्ही ग्राम पंचायत-मदरो, ब्लॉक-त्योंथर का निवासी हूं। गांव में सीसी सड़क बनवाने के लिए मैंने आवेदन दिया था। पर अब तक सड़क निर्माण नहीं कराया गया है। जिससे ग्रामीणों को काफी समस्या आ रही है। यहां तक कि बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। मरीज अस्पताल नहीं पहुंच पा रहे हैं। कलेक्टर और कमिश्नर से निवेदन है कि समस्या का जल्द से जल्द निराकरण किया जाए।

जल निगम अन्तर्गत सभी कार्य समानांतर रूप से कराएं: बीएस जामोद

हर घर में नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य तय समय सीमा में पूरा कराएं: कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद ने कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि हर घर में नल से जल पहुंचाने की प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजना को तय समय सीमा में पूरा करें तथा इसके अंतर्गत संचालित सभी कार्य समानांतर रूप से किए जाएं। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन बिछाने के साथ ही इंटेक वेल, पम्पिंग, टंकी निर्माण आदि सभी कार्य समानांतर रूप से संचालित कराए जाएं ताकि जनवरी माह तक कार्यों को पूरा किया जा सके। निर्माण कार्य में किसी प्रकार की बाधा आने पर तत्काल अवगत कराएं।

कमिश्नर ने कहा कि जल जीवन मिशन से हर घर में नल से जल पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। जिन गांवों में पानी की आपूर्ति की जा रही है वहाँ निर्धारित की गई जल कर की राशि ग्राम पंचायत के सहयोग से एकत्रित करें। जल उपभोक्ताओं से सतत संवाद रखते हुए पानी की आपूर्ति के संबंध में किसी भी तरह की शिकायत मिलने पर उसे तत्काल दूर कराएं। समूह नल जल योजनाओं के कार्यों के सहयोग के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं की सेवाएं लेते हुए नलजल योजनाओं के संचालन, संधारण, जल कर की वसूली आदि में महिलाओं की भी भागीदारी सुनिश्चित कराएं।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि लोगों को नलजल योजना के पानी के दुरूपयोग न करने के लिए जागरूक करते हुए यह समझाइश दें कि व्यर्थ पानी न बहाएं और पंप आदि से पानी न खींचे ताकि अंतिम छोर तक पाइपलाइन से पानी पहुंच सके। उन्होंने कहा कि आईएसए के माध्यम से सकारात्मक वातावरण का निर्माण करें ताकि इस योजना को लोग अपनी योजना मानें और नियत राशि देकर कनेक्शन लेते हुए प्रतिमाह जल कर की राशि जमा करें। उन्होंने कहा कि ब्लाक स्तर एवं ग्राम स्तर पर कार्यशालाओं एवं अन्य जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जागरूक करें। उन्होंने वन क्षेत्र में आने वाले कार्यों को अनुमति प्राप्त होने के बाद तत्काल कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। बैठक में पाइपलाइन बिछाने, टंकियों के निर्माण, डब्ल्यूटीपी निर्माण, इंटेक वेल निर्माण, जलशोधन संयंत्र निर्माण, क्लियर वाटर पंपिंग निर्माण सहित अन्य कार्यों की संभागान्तर्गत जिलों में हुई प्रगति की जानकारी ली गई। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, जल जीवन मिशन के जिला प्रबंधक चित्रांशु, सीधी के नीरव अग्रवाल, सतना के विवेक कुमार, सिंगरौली के पंकज बाघवानी, प्रबंधक जन सहभागिता डॉ एनके पचौरी सहित जल जीवन मिशन के अधिकारी-कर्मचारी, निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि तथा आईएसए के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अब कोलकाता से पकड़ाया अफगानी नागरिकः फर्जी पासपोर्ट बनवाने आया था जबलपुर सोहबत ने लिए थे 1.20 लाख;एके-47 के वीडियो से हुआ

जबलपुर, (एजेंसी)। एंटी टेरेरिस्ट स्क्वायड (एटीएस) ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारतीय पासपोर्ट बनवाने के मामले में एक और अफगानी नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 53 वर्षीय अकबर के रूप में हुई है, जो करीब 20 साल पहले अफगानिस्तान से भारत आया और यहीं बस गया था। अकबर पश्चिम बंगाल में रह रहा था और उसे कोलकाता से गिरफ्तार किया गया है। एटीएस की टीम उसे रविवार देर रात जबलपुर लेकर पहुंची। सोमवार को उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। इससे तीन दिन पहले एटीएस ने जबलपुर के ओमती क्षेत्र से अफगानी युवक सोहबत खान को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में सोहबत ने खुलासा किया कि अकबर ने भी फर्जी पते और दस्तावेजों के जरिए जबलपुर के पते से पासपोर्ट बनवाया था। इतना ही नहीं, अकबर ने अपने एक और साथी का पासपोर्ट भी जबलपुर के फर्जी पते से बनवाया है। फिलहाल एटीएस उस तीसरे आरोपी की तलाश में जुटी है। मामले ने शहर में फर्जी पहचान पत्र और पासपोर्ट बनवाने वाले गिरोह की सक्रियता को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

अफगानिस्तान जाने के लिए बनवाया पासपोर्ट : एटीएस की गिरफ्त में आए अकबर ने बताया कि भारत आने के बाद उसने अपना अफगानी पासपोर्ट नष्ट कर दिया था। कामकाज जमने के बाद अकबर एक बार फिर अफगानिस्तान जाना चाहता था।

भारत में रह रहे दूसरे अफगानियों के माध्यम से वह कुछ समय पहले सोहबत के संपर्क में आया। उसे पता चला कि सोहबत ने पासपोर्ट बनवा लिया है। फिर उसने सोहबत से अफगानिस्तान जाने की बात की। सोहबत ने अकबर से एक लाख 20 हजार रुपए में पासपोर्ट का सौदा तय किया और जबलपुर निवासी चंदन सिंह, महेश सुखदान और दिनेश गर्ग से मिलकर अकबर का फर्जी पासपोर्ट बनवाया।

कई शहरों में भटका अकबर : अफगानिस्तान से भारत आने के बाद अकबर रोजगार के लिए कई शहरों में भटका। जब जो काम मिला वह किया। घूमते हुए वह कोलकाता पहुंच गया। वह जगह उसे अपने लिए रहा था और उसने छोटे-छोटे काम करते हुए रुपए इकट्ठा कर लिए। जरूरत पड़ने पर परिवार वालों को भी रुपए देकर मदद करने लगा। जिससे उसकी पहचान का दायरा और काम बढ़ गया।

फोन पर हुई डील, पहले फर्जी निवास-पहचान पत्र बनवाए : सोहबत ने अकबर का पासपोर्ट बनवाने की डील गिरोह के सदस्यों से फोन पर बातचीत कर की थी। अकबर ने सोहबत और फिर सोहबत ने तीनों आरोपियों को फर्जी पासपोर्ट के लिए ऑनलाइन रुपए भेजे। गिरोह के विजय नगर निवासी दिनेश गर्ग, कटंगा निवासी महेंद्र कुमार सुखदन और रामपुर शंकर शाह नगर निवासी चंदन सिंह ने पहले जबलपुर के फर्जी पते पर अकबर का निवास एवं पहचान पत्र बनवाया। फिर पासपोर्ट के लिए प्रक्रिया की। जब पासपोर्ट सेवा केंद्र में सत्यापन के लिए उपस्थित होने की तिथि आई, तब अकबर एक दिन के लिए जबलपुर पहुंचा। सोहबत से मिला और पासपोर्ट के लिए फोटो और सत्यापन की प्रक्रिया करके वापस लौट गया। जब पासपोर्ट जारी होने का पता चला तो गिरोह ने डाकिए को 3000 रुपए देकर रास्ते में पासपोर्ट ले लिया।

कम बारिश के टॉप 5 जिलों में खरगोनः पिछले साल से 6 इंच कम बारिश, सूखी पड़ी कुंदा नदी, फसलों पर संकट

खरगोन, (एजेंसी)। खरगोन जिले में सावन बीतने को है लेकिन अब तक एक बार भी तेज बारिश नहीं हुई है। जिले में अब तक सिर्फ 12 इंच बारिश दर्ज की गई है, जो पिछले साल की तुलना में करीब 6 इंच कम है। कुंदा नदी समेत कई स्थानीय जल स्रोत सूखे पड़े हैं। नर्मदा को छोड़कर किसी भी नदी में इस साल बाढ़ जैसी स्थिति नहीं बनी।

बारिश की कमी के चलते तापमान लगातार 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है। इसका सीधा असर फसलों पर पड़ रहा है। पथरीली और कम मिट्टी वाली जमीन में दोपहर के समय फसलें मुरझा रही हैं।

किसान रमन पटेल का कहना है कि यदि जल्द तेज बारिश नहीं हुई तो फसलें खराब हो सकती हैं। मौसम विभाग ने जताई सिर्फ लोकल बारिश की संभावना

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश में टर्फ लाइन बनी हुई है, लेकिन खरगोन जैसे पश्चिमी जिलों में ज्यादा असर नहीं दिख रहा। यहां केवल स्थानीय गतिविधियों से हल्की बारिश की संभावना जताई गई है।

कम बारिश वाले जिलों में शामिल हुआ खरगोन : प्रदेश के जिन पांच जिलों में इस बार सबसे कम बारिश हुई है, उनमें खरगोन, इंदौर, बड़वानी, खंडवा और बुरहानपुर शामिल हैं। पिछले साल इस समय तक खरगोन में 18 इंच के आसपास बारिश हो चुकी थी, लेकिन इस बार अब तक 12 इंच ही हो पाई है।

खंडवा में महिला बोली- टॉर्चर करता है ढ़ाबा संचालक पतिःदूसरी महिला से अफेयर में तलाक के लिए मारपीट की

खंडवा, (एजेंसी)। एक महिला को तलाक के लिए दबाव बनाने का मामला सामने आया हैं। महिला का आरोप है कि उसके पति का दूसरी महिला से अफेयर है। उस महिला को उसने नगर में ही किराए का मकान ला दिया हैं और उसी के साथ रहता हैं। वो महिला भी अपने पति और बच्चों को छोड़कर मेरे पति के पास आ गई हैं। अब पति हैं कि मुझे तलाक के लिए टॉर्चर करता है ताकि वो उस महिला से शादी कर सकें। मामला पुनासा चौकी क्षेत्र के ग्राम दामखेड़ा का हैं। पुनासा हाईवे पर जायसवाल ढ़ाबा चलाने वाले सुरेश जायसवाल के खिलाफ पुलिस ने मारपीट का केस दर्ज कर लिया है। वहीं शांतिभंग के आरोप में उसे कोर्ट में पेश किया। जहां कोर्ट ने उसे जेल भेजने के आदेश दिए हैं। दरअसल, उसने पत्नी के साथ बुरी तरह मारपीट की। 37 वर्षीय पत्नी का आरोप हैं कि पति आए दिन उसके साथ मारपीट करता हैं। शनिवार की रात में वह ढाबे से घर लौटा और इतना पीटा कि जख्मी कर दिया। परिवार वाले अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज चल रहा हैं। शिकायत मिलने पर पुलिस ने मामले को गंभीरता लिया और कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक महिला के साथ मारपीट हुई हैं। वह अस्पताल में भर्ती हैं। प्रारंभिक शिकायत पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया हैं। फिलहाल मेडिकल रिपोर्ट नहीं मिली हैं। आशंका है कि उसके नाक की हड्डी फ्रैक्चर होने से अपराध में गंभीर धाराएं बढ़ सकती हैं।

शिवपुरी में स्कूल का खेल मैदान बना खेतःसरकारी स्कूल के प्लेग्राउंड में हेडमास्टर ने लगा दी फसल, शिकायत के बाद जांच शुरू

शिवपुरी, (एजेंसी)। शिवपुरी के खनियाधाना विकासखंड के ग्राम झूतरी में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां शासकीय माध्यमिक विद्यालय की हेडमास्टर रजनी पचौरी ने स्कूल के खेल मैदान में मूंग की खेती कर डाली। अब बच्चों के खेलने के लिए ग्राउंड में पर्याप्त जगह नहीं बची है।

2 बीघा में लगा दी मूंग की फसल : यह मामला सामने तब आया जब गांव के लोगों ने देखा कि जहां बच्चे दौड़ते-भागते थे, वहां अब खेत की हरियाली फैल गई है। दो बीघा में हुई जुताई, बच्चों के लिए नहीं बची जगह जानकारी के अनुसार, स्कूल के मैदान में करीब दो बीघा जमीन पर जुताई कर मूंग बो दी गई है। इससे बच्चों के खेलने के लिए मैदान नहीं बचा है।

बहुत जगह है थोड़ी जमीन पर खेती की है तो क्या : जब ग्रामीणों ने इस पर आपत्ति जताई तो प्रधानाध्यापक रजनी पचौरी ने

अजीबोगरीब जवाब दिया। उन्होंने कहा कि खेलने के लिए काफी जगह है, थोड़ी सी जमीन पर खेती कर ली तो क्या हुआ

कलेक्टर तक पहुंची शिकायत : ग्रामीणों ने इस मामले की शिकायत जिम्मेदार अधिकारियों और कलेक्टर कार्यालय तक पहुंचा दी है। इस घटना से गांव के लोग नाराज हैं। उनका कहना है कि ऐसी चीजें बच्चों के शारीरिक विकास और स्कूल वातावरण को बिगाड़ती हैं। इस पर डीपीसी दफेदार सिंह सिकरवार ने गंभीरता दिखाई और जांच के आदेश जारी कर दिए। डीपीसी ने बताया कि उन्होंने बीआरसीसी को भेजकर पंचनामा तैयार करवा लिया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मामले में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। खेल मैदान बच्चों के लिए ही रहेगा इस पूरे मामले में ग्रामीणों की सबसे बड़ी मांग यही है कि खेल मैदान को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए।

11 किमी पैदल चलकर जल चढ़ाने कुबेरेश्वरधाम पहुंचे हजारों कांवड़िएः 6 अगस्त को निकलेगी कांवड़ यात्रा

सीहोर, (एजेंसी)। सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में श्रावण सोमवार के अवसर पर सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। सुबह 11 बजे तक लगभग 50 हजार श्रद्धालु दर्शन और पूजा अर्चना कर चुके हैं । अभी भी श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला लगातार जारी है।

एक महीने से चल रहा कांवड़ मेला 8 अगस्त को समाप्त होगा। इसके साथ ही 6 अगस्त को सीवनघाट से सुबह 9 बजे भव्य कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा में कुबेरेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित प्रदीप मिश्रा भी शामिल होंगे।

50 हजार से ज्यादा श्रद्धालु धाम पर पहुंचे : यात्रा सीवन नदी से लगभग 11 किलोमीटर पैदल चलकर धाम तक जाएगी। वहां भव्य आरती की जाएगी और बाबा को जल अर्पित किया जाएगा। सावन महीने में शिवलिंग पर जल चढ़ाना शुभ माना जाता है। रविवार को करीब 50 हजार से ज्यादा श्रद्धालु धाम पर पहुंचे। प्रदोष काल में लाखों की संख्या में कांवड़िए सीवन नदी के तट से कुबेरेश्वरधाम पहुंचेंगे। इस बार कांवड़ यात्रा में हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की जाएगी।

लाखों श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी वितरण की व्यवस्था : कांवड़ यात्रा में दो दर्जन से ज्यादा डीजे और झांकियां शामिल रहेंगी। धाम पर कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के निर्देश पर भोजन पंडाल बनाया गया है। यहां लाखों श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी वितरण की व्यवस्था की गई है। विठलेश सेवा समिति के व्यवस्थापक समीर शुक्ला, पंडित विनय मिश्रा और अन्य ने श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया। मनोज दीक्षित ने बताया कि कुबेरेश्वर धाम का कांवड़ मेला हर साल भक्तों के लिए विशेष अवसर होता है।

भाजपा आईटी-प्रभारी से रंगदारी, सरेराह मारपीट, 2 आरोपी हिरासत में; भाजपा पदाधिकारी पर हमले की 3 दिन में दूसरी घटना

नर्मदापुरम, (एजेंसी)। नर्मदापुरम में रविवार रात शहर के चक्कर रोड चौराहे पर भाजपा मंडल आईटी सेल प्रभारी और रेलवे ठेकेदार निखिल चौरे के साथ तीन युवकों ने मारपीट की। आरोप है कि युवकों ने शराब पीने के लिए रुपए मांगे और मना करने पर हमला कर दिया। घटना सीसीटीवी में कैद हुई। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है और एक की तलाश जारी है।

निखिल चौरे ने बताया कि रविवार रात करीब 8 बजे वह अपने साथी आनंद सोनी और नीलेश सैनी के साथ बाइक से घर जा रहे थे। चक्कर रोड चौराहे पर फुल्की पैक करा रहे थे, तभी रंजीत सिंह तोमर और श्रीकांत पटेल वहां आए। उन्होंने चौरे की कॉलर पकड़ी और शराब पीने के लिए रुपए मांगे। इंकार करने पर दोनों ने मारपीट शुरू कर दी।

ब्रजबासी रेस्टोरेंट के पास फिर से रोका और पीटा : चौरे किसी तरह वहां से निकले, लेकिन कुछ दूरी पर ब्रजबासी रेस्टोरेंट के पास युवकों ने उन्हें फिर से रोक लिया और तीसरे साथी के साथ मिलकर दुबारा पिटाई की। निखिल को सिर, कमर, हाथ और चेहरे पर चोटें आईं। उनके दोस्तों ने बीच-बचाव किया।

देहात थाने में देर रात दर्ज हुआ केस : चौरे पहले कोतवाली थाने गए, लेकिन क्षेत्राधिकार का हवाला देकर उन्हें देहात थाने भेज दिया गया। वहां 3 घंटे बाद रात 12 बजे केस दर्ज हो सका। पुलिस ने रंजीत सिंह तोमर और श्रीकांत पटेल को हिरासत में ले लिया है, तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। जहां फरियादी चौरे ने रंगदारी और मारपीट का आरोप लगाया है, वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि विवाद अपशब्द कहने से शुरू हुआ था और शराब के लिए पैसे मांगने जैसी बात नहीं हुई।

भाजपा पदाधिकारी थाने पहुंचे : घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष दीपक महाला, मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत, बिल्डर लक्ष्मण सिंह बैस समेत कई नेता थाने पहुंचे और कार्रवाई की मांग की।

पहले भी भाजपा नेता पर हमला : 1 अगस्त को भाजपा नेता नागेंद्र तिवारी पर भी चाकू से हमला हो चुका है। वह बेटी को कॉलेज छोड़ने गए थे, जहां आपत्तिजनक स्थिति में खड़े युवक-युवती को समझाने पर नाबालिग आरोपी ने उन पर चाकू से वार कर दिया। हाथ में गंभीर चोट आई थी। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था।

पुलिस जांच जारी, शहर में कानून व्यवस्था पर सवाल : लगातार हो रही मारपीट और चाकूबाजी की घटनाओं से शहर में कानून व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। खासतौर पर भाजपा पदाधिकारियों पर हमलों ने चिंता बढ़ा दी है। पुलिस का कहना है कि सभी मामलों में सख्त कार्रवाई की जा रही है। देहात थाना प्रभारी सौरभ पांडे ने बताया कि फरियादी निखिल चौरे रेलवे कॉन्ट्रेक्टर है। जो भाजपा पदाधिकारी भी है। उनकी शिकायत पर रंजीत सिंह तोमर, श्रीकांत पटेल और एक अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है।

प्राइवेट कंपनी के कर्मचारी के घर में चोरी-ताला लगाकर नाइट ड्यूटी पर गया था, लॉकर तोड़ गहने और नकद ले गए चोर

सागर, (एजेंसी)। सागर के मोतीनगर थाना क्षेत्र स्थित कनेरादेव आवासीय कॉलोनी में एक प्राइवेट कंपनी कर्मचारी के सूने मकान में शनिवार रात चोरी हो गई। चोर ताला तोड़कर घर में घुसे और अलमारी का लॉक तोड़कर नकदी, जेवर और टीवी समेत हजारों रुपए का सामान चुरा ले गए। कर्मचारी जब सुबह ड्यूटी से लौटा, तब घटना का पता चला। फरियादी शैलेंद्र सिंह लोधी ने पुलिस को बताया कि वह पगारा रोड स्थित डिलीवरी कंपनी में रात 8 बजे ड्यूटी पर गया था। उसकी पत्नी 8 दिन पहले मायके देवरी गई थी। घर में ताला लगा था। रविवार सुबह करीब 6 बजे जब वह ड्यूटी से लौटा, तो घर का ताला टूटा मिला।

जेवर, टीवी और नकद लेकर भागे चोर : घर के अंदर जाकर देखने पर अलमारी का ताला टूटा हुआ था। उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर, क्राउन कंपनी की 32 इंची टीवी, पीतल के 5 बर्तन और अलमारी में रखे 10 हजार रुपए नकद गायब थे। चोरों ने लाकर को भी खंगाल दिया।

परिजनों को दी जानकारी, फिर पुलिस को बुलाया : घटना की जानकारी मिलने पर शैलेंद्र ने पहले पत्नी और परिवार को सूचना दी, फिर थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई। मोतीनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। अज्ञात चोरों की तलाश की जा रही है। कॉलोनी में लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

रायसेन में चार दिन से थमी बारिश-अब तक 41 इंच गिर चुका है पानी, जिले का कोटा पूरा होने में सिर्फ 4 इंच की कमी

रायसेन, (एजेंसी) । रायसेन जिले में बीते चार दिनों से बारिश थमी हुई है। 1 जून से 3 अगस्त 2025 तक जिले में कुल 1052.7 मिमी (लगभग 41 इंच) औसत वर्षा दर्ज हुई है। यह पिछले साल की इसी अवधि से 288.3 मिमी (करीब 11.3 इंच) अधिक है। जिले में सामान्य औसत वर्षा 1197.1 मिमी (करीब 47.1 इंच) मानी जाती है। इस हिसाब से अभी भी लगभग 4 इंच बारिश और होना शेष है। बीते सप्ताह भारी बारिश से सिलवानी, बरेली और बेगमगंज तहसील में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। इन इलाकों में प्रशासन द्वारा नुकसान का सर्वे किया जा रहा है।

धूप निकलने से खेतों में तेजी से काम शुरू : बारिश रुकने के बाद धूप निकल आई है, जिससे किसानों को राहत मिली है। धान की खेती करने वाले किसान अब तेजी से खेतों में काम कर रहे हैं। कुछ किसान अभी भी धान की रोपाई करा रहे हैं, जबकि पहले से रोपाई कर चुके किसान खाद और यूरिया का छिड़काव कर रहे हैं।

मवेशियों की अवैध ढुलाई करते 5 आरोपी गिरफ्तारः छतरपुर कोतवाली पुलिस ने दो पिकअप वाहन जब्त किए, 7 मवेशी बरामद

छतरपुर, (एजेंसी)। छतरपुर कोतवाली पुलिस ने रोड पेट्रोलिंग के दौरान झनझन देवी गेट के पास अस्थायी चेकिंग पॉइंट पर कार्रवाई करते हुए दो पिकअप वाहनों से मवेशियों की अवैध ढुलाई का मामला पकड़ा। पुलिस ने दोनों गाड़ियों को रोककर जांच की तो 7 मवेशी (भैंस व पड़िया) क्षमता से अधिक संख्या में भरे मिले। मौके से 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद दांगी ने बताया कि महोबा रोड पर पशु तस्करी की सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्काल घेराबंदी की। प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) पंजीकृत दो पिकअप वाहनों में मवेशियों को रस्सियों से बांधकर बेहद अमानवीय तरीके से ठूंस-ठूंसकर भरा गया था।

मवेशियों को गोशाला भेजा, आरोपियों पर मामला दर्ज: बरामद पशुओं को मौके पर ही चारा-पानी की व्यवस्था कर राहत पहुंचाई गई और बड़ी बगराजन मंदिर के पास स्थित गौशाला में सुपुर्द किया गया। पुलिस ने दोनों पिकअप वाहनों को जब्त कर लिया और आरोपियों पर पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया।

कौशांबी और छतरपुर के निवासी हैं सभी आरोपी : गिरफ्तार आरोपियों में सुनील कुशवाहा (रानीपुर, कौशांबी), राजेश यादव (छतरपुर), दीपेश शुक्ला (गंभीरपुरवा, कौशांबी), शहिंशा मंसूरी (मोहिउद्दीन देवछार, कौशांबी) और सिद्धराज यादव (लक्ष्मणपुर, कौशांबी) शामिल हैं। सभी को कोतवाली लाकर विधिवत कार्यवाही की गई और न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

लाठी मार-मारकर शिव परिवार की मूर्तियां तोड़ीं-मां पार्वती, कार्तिकेय और नंदी की प्रतिमा खंडित; आरोपी को ग्रामीणों ने पुलिस के हवाले किया

रतलाम, (एजेंसी)। रतलाम जिले के बिरमावल गांव में रविवार रात करीब 10 बजे पंचायत भवन के सामने स्थित बड़केश्वर महादेव मंदिर में शिव परिवार की मूर्तियों को खंडित कर दिया गया। एक व्यक्ति ने लाठी से मां पार्वती, भगवान कार्तिकेय और नंदी की मूर्तियों को तोड़ दिया। हमले में त्रिशूल और शिवलिंग पर लगे तांबे के नाग को भी नुकसान पहुंचा है। मूर्तियां तोड़ने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर पर जमा हो गए और आरोपी को पकड़ लिया। सूचना मिलते ही बिलपांक थाना प्रभारी अयूब खान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आरोपी राधेश्याम मालवीय (50) को हिरासत में ले लिया। ग्रामीण रात 12 बजे तक बिरमावल पुलिस चौकी पर डटे रहे और विरोध दर्ज कराया।

रात 1 बजे थाने पहुंचे ग्रामीण,एफ आई आर दर्ज कराई: घटना के विरोध में ग्रामीण रात 1 बजे बिलपांक थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ शिकायत दी। जिस पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। ग्रामीणों में इस बात को लेकर नाराजगी थी कि सावन माह के आखिरी सोमवार पर सामूहिक रुद्राभिषेक होना था, लेकिन उससे पहले मूर्तियां तोड़े जाने की घटना हुई।

21 रन में 4 विकेट लेकर ओवल टेस्ट जीता भारत

इंग्लैंड में सीरीज 2-2 से बराबर कराई, सिराज ने 5 विकेट लेकर मैच पलटा

नई दिल्ली, ऐजंसी । भारत ने द ओवल टेस्ट के आखिरी दिन 4 विकेट लेकर 6 रन से मैच जीत लिया। इसी के साथ टीम ने 5 मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी भी 2-2 से बराबर करा ली। मोहम्मद सिराज ने दूसरी पारी में 5 विकेट लेकर मैच पलटा और टीम को रोमांचक जीत दिलाई।

सोमवार को मुकाबले के आखिरी दिन इंग्लैंड को 35 रन बनाने थे और 4 विकेट बाकी थे। मोहम्मद सिराज ने 3 विकेट लेकर जीत भारत की झोली में डाल रही।

द ओवल में गुरुवार को इंग्लैंड ने बॉलिंग चुनी। पहली पारी में भारत ने 224 और इंग्लैंड ने 247 रन बनाए। 23 रन से पिछड़ने के बाद भारत ने दूसरी पारी में 396 रन बना दिए। इंग्लैंड को 374 रन का टारगेट मिला। टीम ने 3 विकेट के नुकसान पर 300 रन बना दिए थे। तभी हैरी ब्रूक सेंचुरी लगाकर आउट हो गए।

यहां से भारत ने 354 तक इंग्लैंड के 8 विकेट गिरा दिए।गस एटकिंसन और जोश टंग ने आखिर में टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन सिराज ने आखिरी विकेट लेकर भारत को करीबी जीत दिला दी। इंजर्ड क्रिस वोक्स भी लेफ्ट हैंड से बैटिंग करने उतरे, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। सीरीज का दूसरा और पांचवां टेस्ट भारत ने जीता, पहला और तीसरा टेस्ट इंग्लैंड के नाम रहा। वहीं चौथे टेस्ट ड्रॉ हुआ।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए हरमनप्रीत सिंह होंगे कप्तान, 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित

नई दिल्ली ,ऐजंसी । हॉकी इंडिया ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह चार मैचों की सीरीज़ 15 अगस्त से 21 अगस्त तक पर्थ, ऑस्ट्रेलिया में खेली जाएगी। यह दौरा 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप (वर्ल्ड कप क्वालिफायर) से पहले एक अहम अभ्यास अवसर माना जा रहा है। टीम की कमान स्टार ड्रैगफ्लिकर और डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह को सौंपी गई है। टीम में कृष्ण पाठक और सुरज कारकेरा को गोलकीपर के रूप में शामिल किया गया है। डिफेंडर्स में हरमनप्रीत के साथ सुमित, जर्मनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीव ज़ेस, जुगराज सिंह और कर्नाटक के युवा खिलाड़ी पूवन्ना सीबी को भी जगह मिली है।मिडफील्ड में युवा राजिंदर सिंह को मौका मिला है, जिन्हें पूर्व कप्तान सरदार सिंह की तरह देखा जा रहा है। उनके साथ राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरांगथेम और विष्णु कांत सिंह को मिडफील्ड की ज़िम्मेदारी दी गई है। फॉरवर्ड लाइन में मनदीप सिंह, शीलानंद लकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्थी और आदित्य लालगे को चुना गया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ÷हम ऑस्ट्रेलिया के पर्थ जा रहे हैं, ताकि एशिया कप से पहले फिटनेस और तकनीकी कौशल पर काम किया जा सके। हम कुछ युवा खिलाड़ियों को भी मौका दे रहे हैं ताकि वे दबाव में खुद को साबित कर सकें। यह दौरा टीम और व्यक्तिगत लय को बनाने का अच्छा अवसर है। भारतीय टीम वर्तमान में बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) परिसर में प्रशिक्षण कर रही है और 8 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी।

भारतीय पुरुष हॉकी टीमः गोलकीपरः कृष्ण बी पाठक, सूरज करकेरा। डिफेंडर्स : सुमित, जर्मनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप एक्सेस, जुगराज सिंह, पूवन्ना सीबी। मिडफील्डर्स- राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरंगथेम, विष्णु कांत सिंह। फॉरवर्ड्स- मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्थी, आदित्य लालगे।

सिरसाः एशियन रोलर स्केटिंग हॉकी चैंपियनशिप में पदक विजेता खिलाडियों का भव्य स्वागत

सिरसा,ऐजंसी । साउथ कोरिया में आयोजित 20वीं एशियन रोलर स्केटिंग हॉकी चैंपियनशिप में स्वर्ण और सिल्वर पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे सिरसा के शाह सतनाम जी गर्ल्स शिक्षण संस्थान की खिलाडियों का सोमवार को संस्थान में भव्य स्वागत किया गया। प्रिंसिपल डा. शीला पूनियां ने कहा कि हरियाणा रोलर स्केटिंग एसोसिएशन के सहयोग से यह मुकाम हासिल हुआ है। उन्होंने बताया कि खिलाडियों के लिए डेरा में इंटरनेशनल स्तर के खेल मैदान उपलब्ध कराए हैं, जिसकी बदौलत खिलाड़ी यह सफलता प्राप्त कर रहे हैं। संस्थान की स्पोर्ट्स डायरेक्टर रिशू ने बताया कि 20वीं ने हिस्सा लिया।

डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर :मानुष-दीया की जोड़ी मिक्स्ड डबल्स में उपविजेता

फोज डो इगुआकू ,ऐजंसी ।भारत की शीर्ष वरीय जोड़ी मानुष शाह और दीया चितले को ब्राज़ील में आयोजित डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर फोज डो इगुआकू टूर्नामेंट के मिक्स्ड डबल्स फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को जापान के क्वालिफायर खिलाड़ी सतोशी आइडा और होनोका हाशिमोतो के हाथों 2-3 (4-11, 11-8, 11-5, 5-11, 2-11) से शिकस्त मिली।यह इस सीज़न में मानुष शाह और दीया चितले की दूसरी फाइनल उपस्थिति थी। इससे पहले दोनों ने ट्यूनिस में हुए डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टूर्नामेंट में खिताब अपने नाम किया था। इस टूर्नामेंट में मानुष शाह ने पुरुष डबल्स में भी शानदार प्रदर्शन किया। वह अपने जोड़ीदार मानव ठक्कर के साथ फाइनल तक पहुंचे, लेकिन खिताबी मुकाबले में जर्मनी के बेनेडिक्ट डुडा और डैंग क्यू की दूसरी वरीय जोड़ी से 2-3 (3-11, 11-7, 7-11, 15-13, 5-11) से हार गए। यह मुकाबला 42 मिनट तक चला। वहीं महिला एकल वर्ग में भारत की मनिका बत्रा क्वार्टरफाइनल में जापान की हाशिमोतो से 0-3 (7-11, 6-11, 7-11) से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। इससे पहले मनिका ने दक्षिण कोरिया की किम नायॉन्ग को 3-2 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई थी। 19 रन पर आउट हुए ब्रूक ने 98 गेंदों पर 111 रनों की शानदार पारी खेली। उनकी लय ने रूट को अपनी गति से रन बनाने का मौका दिया। पूर्व कप्तान ने इस अनुभव को सुखद बताया। रूट ने कहा, ÷मुझे लगता है कि बल्लेबाजी के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है साझेदारी बनाना और एक-दूसरे पर आप दोनों के प्रभाव को समझना और साथ मिलकर अच्छा प्रदर्शन करना। और हम दोनों के मैच काफ़ी अलग-अलग रहे हैं।

एएआई ने की आर्चरी लीग के पहले संस्करण की घोषणा

नई दिल्ली ,ऐजंसी । भारतीय तीरंदाजी को नई उड़ान देने के लिए आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएआई) ने सोमवार को देश की पहली फ्रेंचाइज़ी आधारित आर्चरी लीग की घोषणा की। यह लीग भारत ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर तीरंदाजी को एक नया पेशेवर मंच प्रदान करेगी, जिसमें भारत और विदेश के शीर्ष रिकर्व और कंपाउंड तीरंदाज़ भाग लेंगे।

लीग का उद्देश्य भारतीय तीरंदाजों को ओलंपिक जैसे दबाव वाले माहौल में प्रदर्शन करने का अवसर देना है, जिससे उनका आत्मविश्वास और अनुभव दोनों बढ़े। छह फ्रेंचाइज़ी टीमों में बंटे इन खिलाड़ियों के बीच मुकाबले दिल्ली के यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अक्टूबर में 11 दिनों तक खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में रिकर्व तीरंदाज़ 70 मीटर और कंपाउंड तीरंदाज़ 50 मीटर की दूरी से, फ्लडलाइट्स में निशाना लगाएंगे—जो विश्व तीरंदाजी में पहली बार देखा जाएगा। एएआईअध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने कहा, ÷यह केवल एक लीग नहीं है, बल्कि उन हजारों ग्रामीण तीरंदाजों का सपना है, जो वर्षों से एक बड़े मंच की प्रतीक्षा कर रहे थे। यह मंच उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपने हुनर को दिखाने का अवसर देगा। एएआईके महासचिव वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा, ÷भारतीय तीरंदाज़ों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार देश का नाम रोशन किया है। क्रिकेट और कबड्डी जैसी लीगों से प्रेरणा लेकर हमने यह आर्चरी लीग शुरू की है, जो खिलाड़ियों को ओलंपिक स्तर की तैयारी के लिए मदद करेगी। वर्ल्ड आर्चरी के महासचिव टॉम डीलन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, ÷यह लीग भारतीय और अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज़ों को प्रतिस्पर्धी वातावरण में खुद को बेहतर करने का शानदार अवसर देगी। इस लीग को वर्ल्ड आर्चरी, वर्ल्ड आर्चरी एशिया और भारत सरकार के खेल मंत्रालय का समर्थन प्राप्त है। आयोजकों का लक्ष्य है कि यह लीग भारत को तीरंदाजी के क्षेत्र में वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करे।

वोक्स पांचवें दिन बल्लेबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे

नई दिल्ली ,ऐजंसी ।चोटिल ऑलराउंडर क्रिस वोक्स, अगर इंग्लैंड को ज़रूरत पड़ी तो ओवल में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के निर्णायक मैच के आखिरी दिन बल्लेबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे। वोक्स को पहले दिन कंधे में चोट लग गई थी और तब से वह मैदान पर नहीं उतरे हैं, लेकिन अगर इंग्लैंड को बाकी बचे 35 रनों का पीछा करते हुए सीरीज़ जीतने के लिए उनकी ज़रूरत पड़ी तो वह 11वें नंबर पर खेलने के लिए तैयार हैं। उनके पास अभी भी चार विकेट बाकी हैं। रविवार (3 अगस्त) को चौथे दिन के नाटकीय खेल के बाद जो रूट ने कहा, ÷हम सभी की तरह वह भी पूरी तरह से जहाँ खिलाड़ियों को अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ी है। उम्मीद है कि यह उस हद तक नहीं पहुँचेगी। लेकिन एक समय पर उसने यहाँ [इनडोर नेट्स] कुछ थ्रोडाउन किए थे, और ज़रूरत पड़ने पर वह तैयार है... वह जो भी करना पड़े, करने के लिए बेताब है।÷वोक्स की पारी क्या रूप लेगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। ट्रेंट ब्रिज में एक हाथ से बल्लेबाजी करते हुए मैल्कम मार्शल की तस्वीर दिमाग में आती है, जो एक साथी खिलाड़ी को शतक पूरा करने में मदद करने के लिए किया गया एक इशारा था। रूट के पास विस्तृत जानकारी नहीं थी, लेकिन उन्होंने पुष्टि की कि वोक्स अभी भी काफी असहज महसूस कर रहे थे। रूट ने कहा, ÷मुझे यकीन नहीं है, मैंने उसे अभी तक अभ्यास करते नहीं देखा है। कल सुबह अगर वह कुछ थ्रोडाउन करे तो आपको बेहतर जानकारी मिल सकती है।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷ज़ाहिर है, उसने जो किया है, उससे उसे बहुत दर्द हो रहा है। यह दिखाता है, जैसा कि हमने इस सीरीज़ में दूसरे खिलाड़ियों को देखा है, [ऋषभ] पंत टूटे पैर के साथ बल्लेबाज़ी कर रहे हैं, खिलाड़ियों को इधर-उधर तरह-तरह की चोटें लग रही हैं, लेकिन यह उसके लिए बहुत मायने रखता है। ÷यह उनके चरित्र और व्यक्तित्व को दर्शाता है कि वह इंग्लैंड के लिए इस तरह से अपना शरीर दांव पर लगाने को तैयार हैं, और उम्मीद है, ठीक है, उम्मीद है कि उन्हें ऐसा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, लेकिन अगर ऐसा होता है - तो हमें जीत दिलाएं और एक अविश्वसनीय श्रृंखला जिताएं।÷ भारत को 22 गेंदों में दूसरी नई गेंद मिलनी है, जबकि इंग्लैंड जीत के करीब है और खेल शुरू होने से पहले पिच को समतल करने के लिए उसे एक और मददगार रोलर मिल जाएगा। वे इतने करीब इसलिए पहुँचे क्योंकि रूट और हैरी ब्रूक - जो दुनिया के दो शीर्ष टेस्ट बल्लेबाज़ हैं - के बीच 195 रनों की शानदार साझेदारी हुई, और दोनों ने शतक जड़े।

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी अनिश्चितकाल के लिए मैदान से बाहर रहेंगे

नई दिल्ली ,ऐजंसी । इंटर मियामी के कप्तान और अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी को दाहिने पैर में मांसपेशियों में चोट लगी है, जिसके कारण वह अनिश्चितकाल के लिए मैदान से बाहर रहेंगे। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) क्लब इंटर मियामी ने एक बयान में जानकारी दी कि 38 वर्षीय मेसी को यह चोट शनिवार को लीग्स कप के मुकाबले में नेकाक्सा (मेक्सिको) के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट से पहले लगी। वह मैच की शुरुआत में ही 11वें मिनट में मैदान से बाहर चले गए, हालांकि वह अपने पैरों पर चलकर लॉकर रूम पहुंचे। बयान में कहा गया, ÷मेसी की मांसपेशियों में तकलीफ की गंभीरता जानने के लिए उनका मेडिकल परीक्षण किया गया। रिपोर्ट में दाहिनी जांघ में मामूली चोट की पुष्टि हुई है। उनकी वापसी का समय उनके इलाज और रिकवरी पर निर्भर करेगा।

इसका मतलब है कि मेसी के मैदान पर लौटने को लेकर फिलहाल कोई निश्चित समय तय नहीं है। मेसी ने इस एमएलएस सीजन में 18 मैचों में 18 गोल और 9 असिस्ट किए हैं और वह लीग में संयुक्त रूप से टॉप स्कोरर हैं। मैच के अंतिम पलों में गोल कर मुकाबले को पेनल्टी शूटआउट तक ले जाने वाले जोर्डी आल्बा ने कहा, ÷मेसी का चोटिल होकर बाहर जाना टीम के लिए बहुत बड़ा झटका है। पूरी टीम बेहद दुखी है। इंटर मियामी इस सीजन 22 में से 12 मैच जीत चुकी है और 42 अंकों के साथ ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में पांचवें स्थान पर है। टीम फिलाडेल्फिया से 8 अंक पीछे है, लेकिन उसके पास 3 मैच अतिरिक्त हैं। अगर मेसी लंबे समय तक बाहर रहते हैं तो यह इंटर मियामी के लिए लीग्स कप 2025 में बड़ा नुकसान हो सकता है।

सर्जरी के बाद सूर्यकुमार एशिया कप से पहले एनसीए में भर्ती

नई दिल्ली ,ऐजंसी । सूर्यकुमार यादव इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (या यूँ कहें कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई)) में हैं और उनका लक्ष्य एशिया कप से पहले फिट होना है। भारत के टी20 कप्तान ने हाल ही में पुनर्वास और फिटनेस आकलन के लिए बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर में रिपोर्ट किया था। यही मुख्य कारण था कि पश्चिम क्षेत्र के चयनकर्ताओं ने उन्हें दलीप ट्रॉफी की 15 सदस्यीय टीम से बाहर रखा, जिसके लिए शार्दुल ठाकुर को कप्तान बनाया गया था। हाल ही में चुनी गई इस टीम में यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, शम्स मुलानी, तनुश कोटियन और तुषार देशपांडे जैसे मुंबई के कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं, लेकिन सूर्यकुमार को टीम में जगह नहीं मिली है।

चयन के समय, पश्चिम क्षेत्र के चयनकर्ताओं ने उनकी उपलब्धता के बारे में पूछताछ की थी, और समझा जाता है कि सूर्यकुमार ने उन्हें सूचित किया था कि उन्होंने सीओई में जाँच करा ली है। यह पुनर्वास प्रक्रिया स्पष्ट रूप से म्यूनिख में हुई उनकी हर्निया सर्जरी का अनुवर्ती चरण है, जिसकी घोषणा उन्होंने जून में सार्वजनिक रूप से की थी। उन्होंने 26 जून को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, ÷पेट के निचले दाहिने हिस्से में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हुई। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सर्जरी के बाद मैं अब ठीक होने की राह पर हूँ। वापस आने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूँ।÷

सूर्यकुमार का अगला बड़ा टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक यूएई में होने वाला एशिया कप है। इस तेजतर्रार टी20 बल्लेबाज़ से इस टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करने की उम्मीद है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारियों के अनुसार, उन्हें टूर्नामेंट से पहले पूरी तरह फिट होने का भरोसा है। उन्हें आखिरी बार आईपीएल के दौरान मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए देखा गया था।

श्रेयस अय्यर ने एनसीए का दौरा किया : इस बीच, पता चला है कि श्रेयस अय्यर पिछले हफ़्ते फिटनेस टेस्ट के लिए सीओई गए थे। वह मुंबई लौट आए हैं और माना जा रहा है कि यह मुलाक़ात नियमित जाँच के लिए थी। बताया जा रहा है कि वह पूरी तरह से फिट हैं और खेलने के लिए तैयार हैं। एशिया कप के लिए चुने जाने अय्यर आखिरी बार आईपीएल फाइनल में पंजाब किंग्स फ्रैंचाइज़ी की कप्तानी करते हुए नज़र आए थे। आईपीएल के बेहद सफल सीज़न के बाद, एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए भारतीय टेस्ट टीम में उनके शामिल होने की काफी अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अपेक्षित चयन नहीं हो पाया। चार दिवसीय दलीप ट्रॉफी मैच 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होंगे, लेकिन पश्चिम क्षेत्र की टीम - जिसे सीधे सेमीफाइनल में जगह दी गई है ।

स्वास्थ्य मंत्री ने चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को दिखाई हरी झंडी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में खाद्य सुरक्षा और जनस्वास्थ्य को लेकर एक ऐतिहासिक पहल के तहत 4 अगस्त से तीन दिवसीय विशेष अभियान बने खाबो - बने रहिबो (अच्छा खाओ, स्वस्थ रहो) की शुरुआत हुई। यह अभियान 6 अगस्त तक चलेगा, जिसका संचालन खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा किया जा रहा है। अभियान का शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को हरी झंडी दिखाकर किया गया। यह चलित प्रयोगशाला राज्य के 33 जिलों में घूम-घूम कर आमजन को गुणवत्ता पूर्ण भोजन और मिलावटी भोजन के प्रति लोगों को जागरूक करेगी तथा खाद्य सामग्री की मौके पर जांच करेगी, जिससे मिलावट के मामलों की तत्काल पहचान संभव होगी। स्वास्थ्य मंत्री ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान में सहभागी बनें, मिलावट से सतर्क रहें और स्वच्छ, सुरक्षित भोजन अपनाकर एक स्वस्थ छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में सहयोग दें।

उन्होंने कहा कि हमारे खानपान से संबंधित बीमारियाँ जैसे डायबिटीज़, थायरॉयड, फैटी लिवर, हाई कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग आज बहुत आम हो चुके हैं। इनसे बचने के लिए जन-जागरूकता, स्वच्छता और मिलावट रहित भोजन बेहद ज़रूरी है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किए गए 'मिलावट के खिलाफ अभियान' को आगे बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ में 'बने खाबो, बने रहिबो' अभियान की नींव रखी गयी है। प्रदेश में खाद्य परीक्षण की व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने हेतु एक अत्याधुनिक राज्य स्तरीय खाद्य प्रयोगशाला की स्थापना की जा रही है, जिससे छत्तीसगढ़ को खाद्य परीक्षण के लिए अन्य राज्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सीजीएमएससी के अध्यक्ष अमित म्हस्के ने कहा कि यह एक बहुत ही महत्वकांक्षी अभियान है जिसकी शुरूआत आज से की जा रही है। चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से प्रदेश की जनता में खाद्य सामग्रियों को लेकर जागरूकता बढ़ेगी तथा मिलावट करने वालों की असलियत भी सामने आएगी। उन्होंने बताया कि इस चलित प्रयोगशाला में एक लैब टेक्नीशियन तथा एक लैब असिस्टेंट की उपस्थिति रहेगी जिससे वो मौके पर ही खाद्य सामग्रियों का नमूना एकत्र कर उसकी जांच कर सकेंगे और आवश्यकता पड़ने पर खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम ऐसे मिलावट करने वालों पर कार्रवाई भी करेगी।

इस अभियान के तहत स्ट्रीट फूड विक्रेताओं, रेस्टोरेंट्स, होटल्स एवं खाद्य सेवा प्रदायकों द्वारा उपयोग किए जा रहे खाद्य पदार्थों की जांच की जा रही है। उन्हें स्नस्स्ह्ल के दिशा-निर्देशों के अनुसार स्वच्छता, व्यक्तिगत हाइजीन, खाद्य भंडारण एवं प्रसंस्करण की जानकारी दी जा रही है। छत्तीसगढ़ आज देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है जहाँ मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के संचालन और फूड क्वालिटी टेस्टिंग में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज की गई हैं।

रेरा का निर्देश, रखरखाव शुल्क और विकास लागत का भुगतान करे आबंटी

वित्तीय अनुशासन को लेकर सख्त रुख, प्रमोटर को राहत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में एक आबंटी को लंबित रखरखाव शुल्क और विकास लागत प्रमोटर को भुगतान करने का आदेश दिया है। यह फैसला उन आबंटियों के लिए चेतावनी स्वरूप है, जो बार-बार सूचना देने के बावजूद अपने वित्तीय दायित्वों से बचते रहे हैं। प्राधिकरण के अनुसार, संबंधित आवंटी को 75,600 रुपए की लंबित रखरखाव राशि तत्काल प्रमोटर को चुकानी होगी। रेरा ने स्पष्ट किया कि जब तक परियोजना का विधिवत हस्तांतरण हाउसिंग सोसायटी को नहीं हो जाता, रखरखाव की जिम्मेदारी प्रमोटर की होती है और इस अवधि के लिए शुल्क का भुगतान करना आबंटी का दायित्व है। इसके अतिरिक्त, आदेश में यह भी कहा गया है कि आबंटी को 4 लाख 77 हजार 744 रुपए की एकमुश्त विकास लागत भी प्रमोटर को अदा करनी होगी।

यह राशि समझौते के अनुसार देय थी, जिसकी कई बार सूचना देने के बावजूद आबंटी द्वारा भुगतान नहीं किया गया। सीजी रेरा ने कहा कि इस प्रकार के मामलों में यदि आबंटी अपने दायित्वों से बचते हैं तो इससे प्रमोटरों की परियोजना संचालन प्रक्रिया बाधित होती है। और यह रियल एस्टेट अधिनियम के प्रावधानों के विरुद्ध है। रेरा ने अपने आदेश में इस बात पर जोर दिया कि वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही रियल एस्टेट सेक्टर की मजबूती के लिए अनिवार्य है। यह आदेश इस दिशा में एक दृढ़ कदम है जो आबंटितियों को वित्तीय अनुशासन अपनाने और प्रमोटरों को उनके वाजिब अधिकार दिलाने की दिशा में मददगार साबित होगा।

ग्राम सिरियाखोह के शालाओं और आँगनबाड़ी केन्द्र में एफएचटीसी कनेक्शन से शुरू हुई स्वच्छ जल की आपूर्ति

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के मनेन्द्रगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम सिरियाखोह में जल जीवन मिशन के तहत शुद्ध पेयजल आपूर्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रयासों से ग्राम के शासकीय प्राथमिक शाला, उन्नयन पूर्व माध्यमिक शाला और आँगनबाड़ी केन्द्र में एफएचटीसी के माध्यम से सुरक्षित नल जल की आपूर्ति प्रारंभ कर दी गई है। इस नवाचार से अब स्कूलों और आँगनबाड़ी केन्द्रों में अध्ययनरत बच्चों तथा कार्यरत शिक्षकों और सहायिकाओं को परिसर के भीतर ही स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल सुलभ हो रहा है, जिससे उन्हें पानी की आवश्यकता के लिए परिसर से बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

इस पहल से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के साथ ही जलजनित बीमारियों की रोकथाम में मदद मिलेगी। स्वच्छ जल की सहज उपलब्धता से स्कूलों और आँगनबाड़ी में अध्ययन व पोषण सेवाओं की गुणवत्ता में भी बढ़ोत्तरी होगी। यह सुविधा विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के उन स्कूलों व केन्द्रों के लिए अत्यंत लाभकारी है जहां अब तक जल आपूर्ति की सुविधा सीमित थी या पूरी तरह अनुपलब्ध थी। अब बच्चों को स्वच्छ जल पीने के साथ ही हाथ धोने, खाना पकाने और साफ-सफाई के लिए भी समुचित जल उपलब्ध हो पाएगा, जिससे स्वच्छता व्यवहार में सुधार होगा और बाल स्वास्थ्य संकेतकों में भी बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे।

हॉफ बिजली बिल योजना में संशोधन: अब 100 यूनिट तक खपत पर 50% छूट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार ने हॉफ बिजली बिल योजना में संशोधन करते हुए मासिक 400 यूनिट की छूट सीमा को 100 यूनिट तक की खपत पर 50त्न रियायत में बदला है। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस बदलाव से प्रदेश के 31 लाख घरेलू उपभोक्ता परिवार, जिनकी मासिक खपत 100 यूनिट या उससे कम है, पहले की तरह लाभान्वित होते रहेंगे।

बीपीएल परिवारों को मुफ्त बिजली जारी: इन 31 लाख लाभार्थियों में शामिल 15 लाख बीपीएल परिवारों को पूर्ववत 30 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलती रहेगी। साथ ही वे हॉफ बिजली बिल योजना के अन्य सभी लाभों का भी लाभ लेते रहेंगे। सरकार का कहना है कि गरीबों को बिजली खर्च से राहत देना उसकी प्राथमिकता है।

हॉफ बिल से 'मुफ्त बिल' की ओर बढ़ते उपभोक्ता: राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को तेज़ी से लागू करना शुरू कर दिया है। इस योजना के तहत 3 किलोवॉट या उससे अधिक के रूफटॉप सोलर प्लांट पर 1.08 लाख तक सब्सिडी दी जा रही है। 2 किलोवॉट क्षमता के सोलर प्लांट पर 90,000 तक (75 प्रतिशत) अनुदान मिलेगा। इससे उपभोक्ता 200 यूनिट से अधिक बिजली खुद पैदा कर सकते हैं। 400 यूनिट खपत वाले उपभोक्ताओं का औसतन 1000 मासिक बिजली बिल सोलर पैनल लगाने के बाद लगभग शून्य हो जाएगा। यानी, ये उपभोक्ता हॉफ बिल से पूरी तरह मुफ्त बिजली की ओर बढ़ेंगे।

ग्रिड में अतिरिक्त बिजली भेजकर आय का भी मौका: रूफटॉप सोलर प्लांट से उत्पन्न अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में प्रवाहित कर उपभोक्ता अतिरिक्त आमदनी भी प्राप्त कर सकते हैं। उपभोक्ता केवल 25त्न लागत खुद वहन कर सकते हैं या कम ब्याज पर ऋ्रण लेकर सोलर प्लांट लगा सकते हैं। अनुमान के अनुसार, 800 मासिक किश्त से यह खर्च निकल सकता है, जो औसत बिल से भी कम है।

सरकार का उद्देश्य, स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भरता: सरकार का यह कदम न केवल गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत देगा, बल्कि उन्हें ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी प्रेरित करेगा। साथ ही, यह निर्णय स्वच्छ ऊर्जा, आर्थिक बचत और पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से भी एक बड़ी पहल मानी जा रही है।

राज्य सरकार का यह फैसला जरूरतमंद उपभोक्ताओं को राहत देने और छत्तीसगढ़ को स्वच्छ व आत्मनिर्भर ऊर्जा राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

भूपेश-चैतन्य को सुप्रीम कोर्ट से झटका, याचिका पर सुनवाई से इनकार, हाईकोर्ट जाने की सलाह

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके बेटे चैतन्य बघेल को सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका मिला। दोनों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने सुनवाई से इनकार करते हुए उन्हें हाईकोर्ट जाने की सलाह दी है। भूपेश और चैतन्य ने सीबीआई और ईडी की जांच की वैधता और अधिकार क्षेत्र को चुनौती देते हुए रिट याचिका दाखिल की थी। इस याचिका पर जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि गिरफ्तारी जैसे मामलों में पहले हाईकोर्ट जाना जरूरी है, सीधे सुप्रीम कोर्ट नहीं आ सकते।

चैतन्य को 14 दिन की न्यायिक रिमांड: सुनवाई के दिन ही ईडी की रिमांड खत्म होने के बाद चैतन्य बघेल को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। चैतन्य को छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में ईडी ने गिरफ्तार किया था।

क्या कहा कोर्ट ने: सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि गिरफ्तारी को चुनौती देने के लिए संविधानिक प्रक्रिया का पालन आवश्यक है। पहले हाईकोर्ट में अपील करें, फिर जरूरत पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दाखिल की जा सकती है।

याचिकाकर्ता की ओर से कौन-कौन उतरे: चैतन्य बघेल की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी, कपिल सिब्बल और विवेक तनखा ने पैरवी की। उन्होंने गिरफ्तारी को मनमानी और कानून विरुद्ध बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में सीधे याचिका दाखिल की थी। लेकिन कोर्ट ने साफ कर दिया कि सीधे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना उचित नहीं है।

राज्य स्तरीय विज्ञान-गणित क्विज में रायगढ़ जिले का पुसौर विकासखण्ड रहा अव्वल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के तत्वावधान में राज्य स्तरीय विज्ञान एवं गणित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन रायगढ़ जिले के पीएम शासकीय नटवर इंग्लिश स्कूल में किया गया। प्रतियोगिता में राज्य के सभी सात संभागों से चयनित विकासखण्डों के प्रतिनिधि छात्र-छात्राएं शामिल हुए। क्विज प्रतियोगिता में रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखण्ड ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 40 अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। धरमजयगढ़ विकासखण्ड ने 35 अंकों के साथ द्वितीय स्थान और लैलूंगा विकासखण्ड ने 30 अंकों के साथ तृतीय स्थान हासिल किया। विजयी प्रतिभागियों को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. के.व्ही राव ने छात्रों से गणित और विज्ञान विषय से संबंधित रोचक प्रश्न पूछे और उनके उत्तरों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को विज्ञान के मूल सिद्धांतों की गहरी समझ विकसित करने और वैश्विक वैज्ञानिक प्रगति से जुड़े रहने की प्रेरणा दी। साथ ही उन्होंने अध्ययन में पुस्तकों को सबसे अच्छा मार्गदर्शक बताते हुए निरंतर अध्ययन की आवश्यकता पर बल दिया। प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों को कुल शैक्षणिक सात समूहों में विभाजित कर प्रश्नोत्तरी कराई गई।

1 करोड़ की हेरोइन के साथ 9 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी पर एक बड़ी और निर्णायक कार्रवाई करते हुए अंतर्राष्ट्रीय ड्रग्स नेटवर्क का खुलासा किया है। इस नेटवर्क का संचालन पाकिस्तान से पंजाब होते हुए छत्तीसगढ़ तक किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान 412.87 ग्राम हेरोइन, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1 करोड़ रुपए आंकी गई है, जब्त की गई। मामले में 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

ड्रग्स नेटवर्क का खुलासा: मुख्य तस्कर लवजीत सिंह उर्फ बंटी, पंजाब के गुरदासपुर का निवासी है, जो पाकिस्तान से हेरोइन मंगवाकर देशभर में सप्लाई करता था। रायपुर में नेटवर्क को सुवित श्रीवास्तव नामक स्थानीय आरोपी संचालित कर रहा था। टिकरापारा थाना क्षेत्र के कमल विहार सेक्टर-4 स्थित मकान को तस्करी का हब बनाया गया था, जहां पुलिस ने दबिश देकर हेरोइन जब्त की।

नेट कॉलिंग और वीडियो शेयरिंग से जुड़ते थे ग्राहक: आरोपी जांच एजेंसियों से बचने के लिए अंतरराष्ट्रीय नंबरों से नेट कॉलिंग का इस्तेमाल करते थे। ग्राहक को वीडियो कॉलिंग और लोकेशन शेयरिंग के जरिए माल डिलीवर किया जाता था।

मेकाहारा में हृदय की जटिल सर्जरी, एक साथ हुआ बाईपास और 3 वॉल्व का ऑपरेशन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। डॉ. भीमराव अम्बेडकर अस्पताल, रायपुर के हार्ट, चेस्ट और वैस्कुलर सर्जरी विभाग ने एक बार फिर चिकित्सा क्षेत्र में नया कीर्तिमान रच दिया है। विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू और उनकी टीम ने 58 वर्षीय महिला मरीज की एक दुर्लभ और जटिल हृदय सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की है, जिसमें एक साथ कोरोनरी बाईपास सर्जरी और हृदय के तीन प्रमुख वाल्वों (माइट्रल, एओर्टिक और ट्राइकस्पिड) का उपचार किया गया।

तीन वर्षों से थी तकलीफ, जांच में निकला गंभीर मामला. दुर्ग ज़िले के जेवरा सिरसा गांव की रहने वाली महिला को पिछले तीन वर्षों से सांस फूलने और सीने में दर्द की शिकायत थी। जांच में सामने आया कि उनकी कोरोनरी आर्टरी में 95 प्रतिशत ब्लॉकेज है, और हृदय के तीन प्रमुख वॉल्व भी खराब हो चुके हैं।

एक साथ हुआ बाईपास और तीन वॉल्वों का इलाज: डॉ. साहू की टीम ने पहले ऑफ-पंप बीटिंग हार्ट बाईपास सर्जरी की, जिसमें दिल को बिना रोके ही ब्लॉकेज का उपचार किया गया। इसके बाद हार्ट-लंग मशीन की सहायता से हृदय को अस्थायी रूप से रोका गया और तीनों वॉल्व का अलग-अलग इलाज किया गया।

माइट्रल वॉल्व को मेटालिक कृत्रिम वॉल्व से बदला गया: एओर्टिक वॉल्व का विशेष तकनीक से रिपेयर किया गया (जो देश में सीमित संस्थानों में ही संभव है) और ट्राइकस्पिड वॉल्व में रिंग लगाकर सुधार किया गया।

सर्जरी की खास बातें: मरीज की ईजेक्शन फैक्शन (श्वस्न) कम थी, जिससे सर्जरी जोखिम भरी मानी जा रही थी। सर्जरी में आर्टेरियल ग्राफ्ट का इस्तेमाल किया गया, जो अधिक टिकाऊ होता है। ओर्टिक वाल्व रिपेयर जैसी प्रक्रिया आमतौर पर केवल उन्नत चिकित्सा संस्थानों में संभव होती है। सर्जरी के बाद मरीज की हालत अब स्थिर है और उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दी जाएगी।

टीम को दी गई बधाई: डीन डॉ. विवेक चौधरी और अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने डॉ. कृष्णकांत साहू और उनकी टीम को इस असाधारण उपलब्धि के लिए बधाई दी। यह सफलता अम्बेडकर अस्पताल को राज्य के उच्च स्तरीय कार्डियक केयर सेंटर के रूप में स्थापित करती है। यह सर्जरी न केवल तकनीकी रूप से अत्यंत चुनौतीपूर्ण थी, बल्कि यह साबित करती है कि छत्तीसगढ़ के सरकारी अस्पतालों में भी अब विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं।

श्रमिक परिवारों के बच्चों को मिलेगा नि:शुल्क आवासीय शिक्षा का लाभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन ने श्रमिक परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल में पंजीकृत श्रमिकों के प्रथम दो बच्चों को राज्य सरकार द्वारा चयनित आवासीय विद्यालयों में कक्षा छठवीं से बारहवीं तक नि:शुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान की जाएगी। श्रम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शैक्षणिक सत्र 2025-26 में ऐसे विद्यार्थी जो कक्षा पाँचवीं में अच्छे अंक प्राप्त कर प्रावीण्य सूची के टॉप-10 में स्थान अर्जित करेंगे, उन्हें काउंसलिंग के बाद योजना का लाभ दिया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत प्रवेश शुल्क, शैक्षणिक शुल्क, गणवेश, पुस्तक-कॉपी, छात्रावास एवं भोजन की व्यवस्था का संपूर्ण व्यय श्रम कल्याण मण्डल द्वारा वहन किया जाएगा।

योजना का लाभ लेने के लिए श्रमिक का कम से कम एक वर्ष पूर्व पंजीकृत होना अनिवार्य है। साथ ही मात्र प्रथम दो बच्चों को ही योजना के अंतर्गत पात्रता प्राप्त होगी। आवेदन के समय श्रमिक पंजीयन कार्ड, मूल निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, अंकसूची, अध्ययनरत कक्षा का प्रमाण पत्र, स्वघोषणा पत्र, आयु प्रमाण पत्र और प्रवेश के पश्चात स्थानांतरण प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा